ग्रामीण महिला विकास संस्थान

GMVS

वार्षिक प्रतिवेदन 2018-19

GMVS

प्रगति की ओर बढ़ते कदम . . .

सुरेश सिंह रावत

विधायक–पुष्कर

सत्यमेव जयते

कार्यालय :– ग्राम भूदाबाई, जयपुर रोड़, अजमेर (राज.)
निवास :– बाबा फार्म, ग्रा. पो. मुहामी, वाया–गगवाना, जिला–अजमेर–305023
मोबाईल नम्बर : 9414006464
E-mail : sureshrawat29@gmail.com

–: शुभकामना संदेश :–

अत्यन्त हर्ष का विषय हैं कि, हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ग्रामीण महिला विकास संस्थान–बूबानी, अजमेर द्वारा वर्ष 2018–19 की गतिविधियों का अपना वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रकाशित किया जा रहा हैं।

महिला सशक्तिकरण के विभिन्न पहलुओं पर विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यक्रमों का संचालन कर संस्थान महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का कार्य कर रही हैं। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को प्रशिक्षण दिलाकर आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास निःसंदेह सराहनीय हैं। आजीविका संवर्द्धन हेतु ऋण भी उपलब्ध करवाये जा रहे हैं।

वर्तमान परिवेश में कोई भी लक्ष्य निर्धारित करके उसकी प्रगति के लिये अनुमानित एवं मर्यादित आचरण करते हुए सिंद्धांतों पर चलकर लक्ष्य प्राप्ति का प्रयास करना कठिनतम हैं। लेकिन संस्थान को अपने उद्देश्य की प्राप्ति के क्रम में विभिन्न सरकार व गैर सरकारी संस्थाओं को सहयोग तथा संस्थान की पूरी टीम के अथक प्रयासों के लिए कोटि–कोटि साधुवाद।

संस्थान मानव मात्र की सेवा करते हुए प्रगति पथ पर निरन्तर अग्रसर रहें। उक्त गतिविधियों के सफल संचालक सचिव श्री शंकरसिंह रावत को विभिन्न जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय पारितोषिक, पदक एवं प्रमाण पत्र से भी सम्मानित किया गया हैं। उसके लिए मैं, संस्थान परिवार को हार्दिक बधाई देते हुए शुभकामनाऐं प्रेषित करता हूँ एवं प्रगतिशील संस्थान और पूरे संस्थान परिवार के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

(सुरेश सिंह रावत)

राकेश पारीक
विधायक–मसूदा
राजस्थान विधानसभा
जयपुर (राज.)

सत्यमेव जयते

एफ–3, विधायकपुरी
जयपुर (राज.)
निवास : गणेशगंज, सरवाड़
जिला–अजमेर (राज.)
मोबाइल : 9414419400, 9610687997

–: शुभकामना संदेश :–

मुझे प्रसन्नता का विषय है कि ग्रामीण महिला विकास संस्थान–बूबानी, अजमेर द्वारा हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी वार्षिक कार्य प्रगति प्रतिवेदन 2018–2019 का प्रकाशन किया जा रहा है।

महिलाओं का विकास हमारी मुख्य प्राथमिकता है। बालिका के जन्म से लेकर आत्मनिर्भर बनाने तक सरकार उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। महिलाओं को आत्मनिर्भर और स्वावलम्बी बनाने के लिए महिला स्वयं सहायता समूह तथा कौशल विकास के माध्यम से उन्हे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया है। इसके अलावा भी विधवा, तलाकशुदा महिलाओं की सहायता के लिए भी अनेक योजनाएं चलाई जा रही है।

यह सराहनीय है कि संस्थान महिला स्वयं सहायता समूह उनकी शिक्षा और स्वास्थ्य के साथ–साथ महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण सरंक्षण, जल चेतना, जल संरक्षण, किसान संवर्धन, बालश्रम उन्मूलन एवं बढ़ती हुई सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के उद्देश्य से राही ट्रकर्स आई हेल्थ प्रोग्राम के द्वारा ट्रकर्स चालको तथा क्लीनरों की आंखों की जाँच कर आवश्यकतानुसार चश्मा वितरित किये जा रहे हैं।

आशा है कि वार्षिक प्रतिवेदन में महिलाओं के हित में विशष सामग्री का प्रकाशन किया जाएगा। मुझे विश्वास है कि प्रतिवेदन अपने उद्देश्य में सफल होगा। मैं प्रकाशन के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

(राकेश पारीक)

वन्दना नोगिया

जिला प्रमुख
जिला परिषद्, अजमेर एवं
भा.ज.पा. प्रदेश कार्य समिति सदस्य

सत्यमेव जयते

निवास : कंचन नगर, खानपुरा रोड
दौराई, अजमेर (राज.)
फोन : (का.) 0145–2622397
मोबाइल : 09887774620

–: शुभकामना संदेश :–

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रशंसा हुई कि ग्रामीण महिला विकास संस्थान बूबानी, अजमेर द्वारा प्रतिवर्ष की भांति उनके द्वारा की गयी गतिविधियों का वर्ष 2018–19 का वार्षिक प्रतिवेदन प्रकाशित किया जा रहा है।

आपकी संस्था द्वारा महिला सशक्तिकरण एवं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु की जा रही विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यक्रमों के साथ–साथ महिला स्वयं सहायता समूहों को प्रशिक्षण दिलाकर आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास अत्यन्त प्रशंसनीय है। साथ ही उनकी आजीविका संवर्द्धन हेतु ऋण उपलब्ध करवाकर इस कार्य को गति प्रदान की जा रही है।

संस्थान के द्वारा किये जा रहे इस सराहनीय प्रयास के लिए आप बधाई के पात्र है। मैं आपके इस अनुकरणीय प्रयास हेतु आपको हार्दिक शुभकामनाएं देती हूँ एवं संस्थान परिवार के उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हूँ।

(वन्दना नोगिया)

अनिल कुमार माथुर

अध्यक्ष

ग्रामीण महिला विकास संस्थान

अध्यक्षीय सम्बोधन

शासन में नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित हो, पारदर्शी हो और शासक शासितों के प्रति उत्तरदायी बने तथा सत्ता का विकेन्द्रीकरण हो, तभी सच्चा प्रजातंत्र बनेगा। विकास के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए शासन पर निगरानी रखना महत्वपूर्ण है। विकास के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए साक्षरता व बाल मृत्यु दर में कमी, मातृत्व मृत्यु दर में कमी, गरीबी में कमी तथा बेरोजगारी का निवारण आवश्यक है।

गरीबी निवारण के लिए हमारे पा ज्ञान व संसाधन दोनों हैं। वास्तविक समस्या तो मानव जाति का धनवानों और गरीबों में किया गया विभाजन है, जो दुःख और तिरस्कार पैदा करना है। महिलाएँ गरीबी का सर्वाधिक शिकार होती हैं, फिर व ग्रामीण हो या शहरी असमानता से महिलाएं वंचित बन जाती हैं और उनकी पूरी जिन्दगी के दौरान वे वंचित रहती हैं तथा उनके विकास के अवसर दब जाते हैं। बढ़ती शहरी व ग्रामीण गरीबी में महिलाएँ बहुत ज्यादा है। गरीब, एकाकी महिलाएं उन्हीं का एक हिस्सा है, क्योंकि वे कहीं जा नहीं सकती। उनके पास सीमित विकल्प होते हैं। कम शिक्षा और खराब स्वास्थ्य उनकी क्षमताओं पर विपरीत प्रभाव डालते हैं तथा इससे रोजगार पाने की उनकी क्षमता पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता है। महिलाओं में क्षमता अभाव के कारण वे बाजारोन्मुख अर्थव्यवस्था में अधिक निःसहाय बनती है। संस्था द्वारा ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सम्पन्न बनाने के प्रयास किये, जिससे वे सम्मानपूर्वक अपना जीवन जी सकें। गरीबी उनके लिए एक अभिशाप न बन जाये।

संस्था ने अपने कार्यक्षेत्र के लोगों के स्नेह एवं मार्ग–निर्देशन में बेहतर परिणाम पाये हैं। यह प्रतिवेदन उनका प्रतिवेदन उनका प्रतिबिम्ब मात्र है।

मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि पूर्व की भाँति आगे भी आप सभी का सहयोग हमें प्राप्त होता रहेगा, जिससे संस्था निरन्तर अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकने में सफल सिद्ध होगी।

(अनिल कुमार माथुर)

शंकरसिंह रावत

निदेशक

ग्रामीण महिला विकास संस्थान

निदेशक की कलम से .....

प्रत्येक वर्ष प्रगति प्रतिवेदन का अंक सहर्ष तैयार कर आपके समक्ष प्रस्तुत करना मेरे लिए किसी बड़े यज्ञ को सम्पन्न करने से कम नहीं रहता।

प्रत्येक पंक्तियों में संस्थान की गतिविधियों, जिन्हें सम्पादित करने में संस्था परिवार के सदस्यों का दिन–रात का प्रयास और विभिन्न सम्पादित कार्यों एवं उपलब्धियों को सश्रम हासिल करने में बहे उनके पसीने की महक मुझे सर्वदा उन पर गर्व करने हेतु प्रेति करती है। यह प्रतिवेदन भी उनके अटूट मनोबल व सेवा भाव से हासिल किये गये परिणामों को दर्शाने में सहायक सिद्ध होगा, इस पर मुझे पूर्ण विश्वास है।

छोटे से गांव से शुरूआत, मुठ्ठी भर दोस्तो का साथ, ताकत के नाम पर सिर्फ बड़े बुजुर्गो का आशीर्वाद, लेकिन मन में गांवों में खुशियों की आस व ग्रामवासियों के चेहरों पर मुस्कान का सपना लिए फिरते रहना, भले ही यह कल की बात थी लेकिन निकटतम सहयोगी संस्थाओं मुख्यतः नाबार्ड, द् हंस फाउण्डेशन–नई दिल्ली, चोलामण्डलम–तमिलनाडु (चेन्नई) व राज. स्टेट एड्स कन्ट्रोल सोसायटी–जयपुर के विशिष्ट प्रतिनिधियों द्वारा लगातार मिल रहे मार्ग दश्न एवं सहयोग से आज वो सपना एक आकार लेता हुआ दिखता है।

अकाल की भीषण विभीषिका के बावजूद संस्था कार्यक्षेत्र के ग्रामों मं स्थितियाँ अनियनियत्रित नहीं है, समूह से महिलाएं सशक्त हुई हैं व लोगों ने अकाल जैसी त्रासदी के साथ भी लड़ना सीख लिया है। सरकारी योजनाओं से जुड़ कठिन परिस्थितियों में धैर्य रखने हुए मुस्कुराने की हिम्मत जुटाई है व पलायन पर रोक लगी है। जहाँ स्वास्थ्य कार्यक्रमों के माध्यम से बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ प्राप्त हुई हैं वहीं ग्रामों के बाल श्रमिक शिक्षा की मुख्य धारा से जुड़े है ये सभी कुछ ग्रामवासियों के प्रयासों व जन प्रतिनिधियों द्वारा निरन्तर प्रदान किए गये सहयोग के बिना सम्भव नहीं था।

विकसीत भारत के सपने को यथार्थ बनाने में सरकार के प्रयासों के साथ–साथ संस्थाओं की भी अग्रणी भूमिका है, अपने कार्यक्षेत्रों के समग्र विकास के लिए हमारे उत्तरदायित्वों का हमं भी बोध है, जिसको निभाने के लिए हम निरन्तर प्रयत्नशील हैं व बुलन्द हौसलों के साथ आगे बहुत कुछ करने की इच्छा हृदय मं संजोये हैं।

आप लोगो के स्नेह व मार्ग–दर्शन में हमने बेहतर परिणाम पाये हैं, यह प्रतिवेदन उनका प्रतिबिम्ब मात्र हैं। हमें आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि आगे भी आप सभी का सहयोग हमें प्राप्त होता रहेगा, जिससे संस्था निरन्तर अपने विकासशील लक्ष्यों को प्राप्त कर सकने में सफल सिद्ध होगी।

(शंकर सिंह रावत)

एक नजर ...

ग्रामीण महिला विकास संस्थान (GMVS) को जिला, राज्य, राष्ट्रीय, अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर मान-सम्मान

एक नजर ...

ग्रामीण महिला विकास संस्थान (GMVS) को जिला, राज्य, राष्ट्रीय, अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर मान-सम्मान

एक नजर ...

ग्रामीण महिला विकास संस्थान (GMVS) को जिला, राज्य, राष्ट्रीय, अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर मान-सम्मान

GMVS

Gramin Mahila Vikar Sansthan – Area of Operation and Office locations

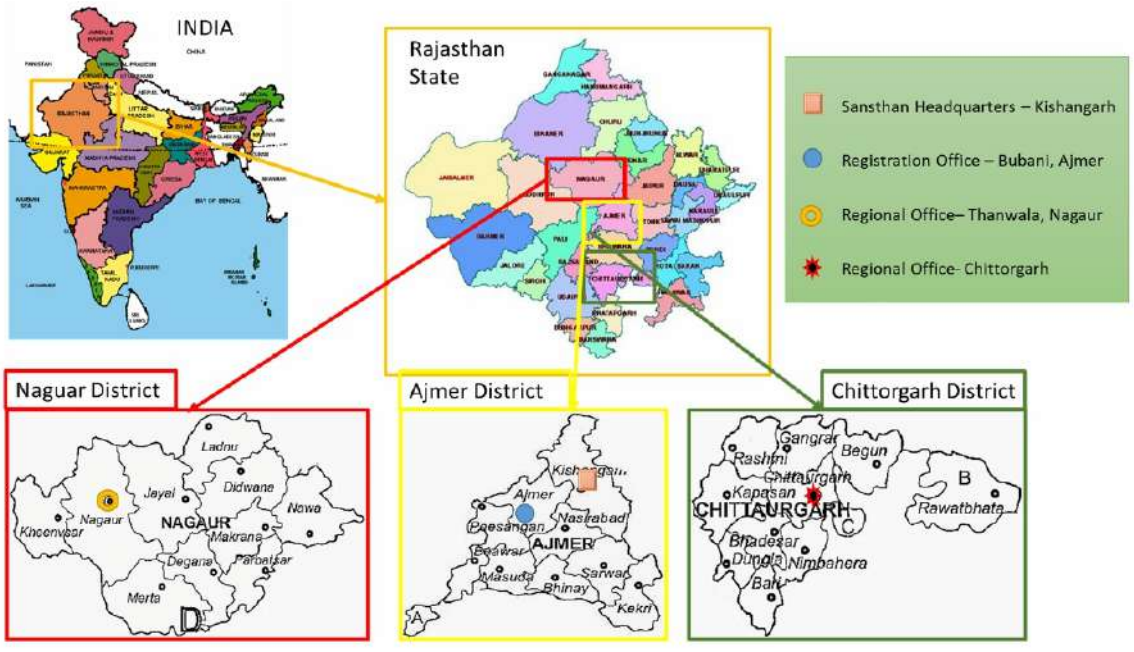

ग्रामीण महिला विकास संस्थान–बूबानी, अजमेर (राजस्थान)
Gramin Mahila Vikas Sansthan-Bubani, Ajmer (Rajasthan)

पृष्ठभूमि

ग्रामीण महिला विकास संस्थान–बूबानी (अजमेर), राजस्थान संस्था पंजीकरण सोसायटी अधिनियम 1958 की धारा 28 एवं आयकर अधिनियम 1961 की धारा 12 ए व 80 जी के तहत FCRA एक्ट 1976 के अधीन पंजीकृत एक स्वयं सेवी संस्था है।

ग्रामीण महिला विकास संस्थान–बूबानी, अजमेर मानव समाज विषयक उद्देश्य जिसमें ग्रामीण महिला विकास एवं उत्थान विशेष के लिये गठित स्वैच्छिक संगठन है, जो वृहद स्तर पर ग्रामीण समुदाय के साथ उनके सामाजिक सशक्तिकरण एवं आजीविका सवंर्द्धन के लिये कार्य कर रही है। संस्था विविध और व्यापक स्तर पर समस्या प्रदान मुद्दों जैसे–स्वास्थ्य, शिक्षा, बच्चों की देशभाल, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, सामाजिक मुद्दें, स्वरोजगार आदि पर 1998 से विविध कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है। वर्तमान में संस्था राजस्थान के 03 जिलों अजमेर, चित्तौड़गढ, नागौर में विभिन्न गतिविधियों का संचालन कर रही है। जिसमें अजमेर जिले की 05 पंचायत समितियाँ–श्रीनगर, सिलोरा, भिनाय, पिंसागन और केकड़ी एवं चित्तौड़गढ़ जिले की 05 पंचायत समितियाँ–चित्तौड़गढ़, निम्बाहेड़ा, कपासन, चंदेरिया, सावा एवं नागौर जिले की 03 पंचायत समितियाँ–रियांबड़ी, मेड़ता एवं परबतसर में कार्य कर रही है।

विज़न

ऐसे सशक्त समाज की स्थापना करना जो शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक, सामाजिक एवं रोजगार दृष्टि से आत्मनिर्भर हो।

मिशन

मानवीय एवं प्राकृतिक संसाधनों के समुचित उपयोग से पिछड़ें, अभावग्रस्त, गरीब समाज की महिलाओं को स्वयं सहायता समूह, क्लस्टर व फैडरेशन के माध्यम से आर्थिक व सामाजिक दृष्टि से सशक्त करना, ग्रामीण लोगों, वंचित वर्ग खास कर महिलाओं/बच्चों को शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएँ, पेयजल व आजीविका के साधन सुनिश्चित करवाना।

संस्था के उद्देश्य :–

- समस्याग्रस्त गाँवों में स्वच्छ पीने के पानी की व्यवस्था करने में गाँव वालों की मदद करना।
- ग्रामीण क्षेत्र में ग्रामीणों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें अच्छा स्वास्थ्य बनाये रखने में मदद करना एवं मातृ–शिशु कल्याण कार्यक्रम को गाँव–गाँव तक पहुँचाना।
- कृषि एवं पशुपालन के लिए ग्रामीणों को आधुनिक जानकारी उपलब्ध कराकर उन्हें ज्यादा पैदावार एवं ज्यादा पशुपालन में उनकी समस्याओं को कम करने में मदद करना।
- महिला विकास में ग्रामीण महिलाओं की रूचि पैदा करना तथा महिला कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं की समस्याओं के निराकरण के लिये महिला मण्डल एवं महिला गोष्ठियों का आयोजन करना।
- ग्रामीण दस्ताकारों को बढावा देने में सहयोग एवं रोजगार उपलब्ध कराना।
- निम्न आय वर्ग के लड़के लड़कियों को उचित शिक्षा दिलवानें की व्यवस्था करना।
- राजस्थान या राजस्थान के बाहर स्थित संस्थाओं जिनका उद्देश्य ग्रामीण महिला विकास संस्थान, बूबानी जैसा होगा उनसे सहयोग प्राप्त करना एवं गतिविधियों मे तालमेल बनाये रखना।
- सड़क दुर्घटनाओं को कम करना।
- सामुदायिक विकास कार्यक्रम को बढ़ावा देना।
- पर्यावरण स्वच्छ रखने के लिए पेड़ पौधों की जागरूकता रखना।
- भूमी कटाव को रोकने हेतु मेड बन्दी।
- महिलाओं को विभिन्न प्रशिक्षणों के माध्यम से आधुनिक तकनिकों से जोड़ना।
- महिला व बाल विकास कार्यक्रम का संचालन व लोगों को जागरूक बनाये रखना।
- संस्था के उद्देश्यों एवं कार्यकलापों को प्रचारित करना, किताबों का मुद्रण एवं प्रकाशन तथा पुस्तकालयों की स्थापना करना।

हंस मोबाईल मेडिकल सर्विसेज कार्यक्रम, बूबानी–अजमेर
Hans Mobile Medical Services Program, Bubani-Ajmer

स्वास्थ्य सिर्फ बिमारियों की अनुपस्थिति का ही नहीं है बल्कि एक पूर्ण शारीरिक, मानसिक और सामाजिक खुशहाली की स्थिति है। स्वस्थ लोग रोजमर्रा की गतिविधियों से निपटने के लिए किसी भी परिवेश के मुताबिक अपना अनुकूलन करने में सक्षम होते है। कहा भी गया है कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। कोई आदमी तभी अपने जीवन का पूरा आनन्द उठा सकता है जब वह शारीरिक तथा मानसिक रुप से स्वस्थ रहे। अगर हम अपने शरीर का ध्यान रखेंगे, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम करेंगे तो स्वस्थ रहेंगे। नशे से दूर रहेंगे। स्वस्थ व्यक्ति ही आनंदमय जीवन व्यतीत कर सकता है। ग्रामीण महिला विकास संस्थान, बूबानी–अजमेर द्वारा इन्हीं बातों को ध्यान में रखकर स्वास्थ्य को मुख्य उद्देश्य के रुप में चुना गया है। इसी क्रम में संस्थान द्वारा द हंस फाउण्डेशन–नई दिल्ली के वित्तीय सहयोग से हंस मोबाईल मेडिकल सर्विसेज प्रोग्राम का संचालन मई 2014 से किया जा रहा है। इस वर्ष टीम के द्वारा गुवारड़ी, शाला की ढाणी, कालेडी, आखरी, गुदली, हाथीपट्टा, मानपुरा, नारगाल, लीरी का बाडिया, टण्टिया, मोहनपुरा तथा सराणा आदि 12 गांवों में स्वास्थ्य सेवायें प्रदान की गयी। माह में दो बार स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के द्वारा स्वास्थ्य शिविर में विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य सुविधाएँ

कार्यक्रम के द्वारा स्वास्थ्य शिविर में विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य सुविधाएँ जैसे– चिकित्सा जाँच, दवाइयाँ, काउन्सिलिंग, गर्भवती महिला जाँच, स्वास्थ्य जाँच, महिला तथा शिशु स्वास्थ्य जाँच, देखभाल व घर भ्रमण पर मरीजों का स्वास्थ्य जाँच, रेफर आदि के अलावा स्वास्थ्य सम्बन्धित विभिन्न मुद्दों पर जागरूकता बैठकों का आयोजन किया जाता है। टीम के द्वारा महिलाओं, किशोर–किशोरी तथा कार्यक्रम के तहत निर्मित ग्राम स्वास्थ्य कमेटी के सदस्यों के साथ जागरूकता बैठकों का आयोजन किया जाता है। कार्यक्रम के तहत 12 गाँवों में 1–1 स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता को नियुक्त किया गया है। स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता के द्वारा गांव में भ्रमण किया जाता है। स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता द्वारा विभिन्न प्रकार के स्वास्थ्य संबंधित कार्य किये जाते है। स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता द्वारा समय–समय पर घर भ्रमण कर स्वास्थ्य के बारे में उचित जानकारी प्रदान की जाती है। महिलाओं को उचित मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाता है तथा महिलाओं की समय–समय पर घर भ्रमण कर देखभाल की जाती है। कार्यक्रम के बेहतर कार्यान्वयन तथा उद्देश्य की सफलतापूर्वक प्राप्ति हेतु प्रत्येक गांव में गांव स्तर पर एक ग्राम स्वास्थ्य कमेटी का गठन किया गया है। गाँव के महिला व पुरूष ही इस कमेटी के सदस्य है। गाँव स्तर की समस्याओं पर चर्चा तथा निवारण करने हेतु प्रत्येक माह में एक बार जागरूकता बैठक का आयोजन किया जाता है तथा नवीनतम जानकारी प्रदान की जाती है।

कार्यक्रम की शुरूआत :–

संस्थान द्वारा अजमेर जिले के दूर–दराज स्थित गाँवों में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाओं की एक रिर्पोट प्रोजेक्ट रुप में द् हंस फाउण्डेशन–नई दिल्ली को सौंपी गई। द् हंस फाउण्डेशन–नई दिल्ली के

मूल्याकंन के द्वारा 13 मई, 2014 को संस्थान द्वारा श्रीनगर के 12 गाँवों में इस कार्यक्रम की शुरूआत की गयी। शुरूआत में परियोजना का मूल्यांकन दांता गाँव में था लेकिन उसके पश्चात् वर्तमान में बूबानी में स्थित है। जहाँ पर कार्यक्षेत्र से रेफर मरीजों का उपचार भी किया जाता है। यह परियोजना मई, 2014 से वर्तमान में लगातार जारी है और समय–समय पर कार्यक्षेत्र में बदलाव किया जाता है। नये गाँव को कार्यक्षेत्र से जोड़ा जाता है और कम से कम 3 वर्ष तक सेवायें प्रदान की जाती है। इन वर्षों में लक्ष्य की प्राप्ति कर नये गाँवों का चुनाव किया जाता है।

कार्यक्रम के उद्देश्यें :–

- समुदाय को बालिका बचाने हेतु जागरूक करना।
- वंचित वर्ग तक स्वास्थ्य चिकित्सा सुविधाओं को पहुँचाना।
- परिवार में महिलाओं तथा बच्चों की स्वास्थ्य स्थिति में सुधार लाना।
- परिवार व समाज में महिलाओं की स्वास्थ्य की महत्ता पर जोर देना।
- महिलाओं तथा बच्चों को स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवायें उपलब्ध कराना।
- प्रत्येक गर्भवती एवं धात्री महिला तक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवाओं की पहुँच बनाना।
- महिलाओं को प्रसव पूर्व, सुरक्षित प्रसव तथा प्रसव पश्चात् देखभाल को समझाकर स्वस्थ रहने के लिये प्रेरित करना।
- महिलाओं को संस्थागत प्रसवों के तहत मिलने वाले लाभ जैसे :– 104 व 108 सेवायें, जननी मातृ व शिशु योजना, मुख्यमंत्री राज श्री योजना के लाभों की जानकारी देना।
- नियमित जाँच, देखभाल, उपचार, संतुलित आहार, टीकाकरण तथा संस्थागत प्रसव आदि के द्वारा मातृ मृत्युदर व शिशु मृत्युदर को कम करना।
- पर्यावरण प्रदूषण को कम करने पर जोर देना तथा स्वास्थ्य में सकारात्मक बदलाव हेतु बनाना।
- नियमित जाँच, जागरूकता बैठकों का आयोजन कर विभिन्न स्वास्थ्य संबंधित मुद्दों जैसे–स्वच्छता, पोषाहार, मानसिक स्वास्थ्य परामर्श, आँखों की देखभाल, स्वच्छ वातावरण, मादक द्रव्यों के सेवन को कम करने हेतु परामर्श तथा विभिन्न बिमारी जैसे–डेंगु, चिकनगुनिया, मलेरिया, अस्थमा, कैंसर, कुपोषण, मोटापा, एच.आई.वी./एड्स, एनीमिया, कमजोरी आदि के प्रति जागरूकता लाना।
- विभिन्न बिमारियों की जाँच व उपचार के साथ–साथ ग्रामवासियों को बिमारियों के कारण, लक्षण, उपचार तथा रोकथाम के प्रति जागरूक करना।
- स्वास्थ्य आवश्यकताओं तथा उनके हक के प्रति जागरूक कर उचित कदम उठाने के लिए प्रेरित करना।
- बालिका जीवितता एवं सुरक्षित मातृत्व से जुड़े मुद्दें पोषाहार एवं स्वास्थ्य के बारे में महिला, परिवार तथा समाज में जागरूकता को बढ़ावा देना।
- विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी बैठकों के माध्यम से समय–समय पर देना तथा योजनाओं से उचित लाभार्थियों को जोड़कर लाभ पहुँचाना।

गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ :–

नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवायें :– कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधायें अजमेर जिले की श्रीनगर पंचायत समिति के 12 गाँवों में प्रदान की जा रही है। कार्यक्रम के तहत मुख्य ध्यान महिलाओं तथा बच्चों पर केन्द्रित किया जाता है। प्रत्येक गाँव में एक स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता नियुक्त किया गया है जो टीम के गाँव में पहुँचने से पहले ही सूचना कर देता है। टीम गाँव में पहुँचकर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन करती है तथा निःशुल्क स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवाएँ प्रदान करती है। इसके साथ ही जागरूकता बैठकों का आयोजन भी किया जाता है। स्वास्थ्य टीम द्वारा गृह भ्रमण कर धात्री महिलाओं तथा नवजात शिशु की स्वास्थ्य जाँच, देखभाल, स्तनपान का तरीका व टीकाकरण हेतु प्रेरित,टाँको की देखभाल,जन्म प्रमाण पत्र, स्वच्छता, उपचार आदि सेवायें प्रदान की जाती है। परियोजना के तहत इस वर्ष 16842 मरिजों को निःशुल्क स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवायें प्रदान की गई।

क्र.सं.	वर्ष	महिला	पुरूष	बच्चे	कुल
1	2014–15	9148	5789	2443	17380
2	2015–16	12563	1817	4182	18562
3	2016–17	11543	2179	3853	17575
4	2017–18	11879	1259	3598	16736
5	2018–19	11823	1338	3681	16842
	कुल	56956	12382	17757	87095

इससे महिलाओं और बच्चों से सम्बन्धित सभी प्रकार की बिमारियों का उपचार किया जाता है। कई बार उपचार से आराम नहीं मिलने पर या गंभीर परिस्थितियाँ होने पर या जाँच हेतु मरीजों को किशनगढ़, श्रीनगर तथा अजमेर के अस्पतालों में रेफर भी किया जाता है।

टीम के द्वारा प्रत्येक मरीज का पूरा रिकॉर्ड **OPD** रजिस्टर में रखा जाता है। उसी रिकॉर्ड के आधार पर मासिक रिर्पोट बनायी जाती है। गर्भवती, धात्री महिला का रिकॉर्ड अलग से रखा जाता है। उनकी प्रत्येक विजिट में वजन, बी.पी. जाँच, सोनोग्राफी आदि की जाँच की जाती है। प्रत्येक रिकॉर्ड का मूल्याकंन किया जाता है। प्रत्येक विजिट में संस्थागत प्रसव के लिए प्रेरित किया जाता है। 104 व 108 की सुविधाओं की जानकारियाँ दी जाती है। बच्चा होने पर टीम द्वारा धात्री महिला के घर **PNC** विजिट की जाती है। महिला को स्वयं तथा अपने बच्चे की देखभाल की प्रक्रिया तथा सावधानियों के प्रति जागरूक किया जाता है। बच्चे को नहलाना, मालिश, स्तनपान से लेकर सम्पूर्ण टीकाकरण के लिए प्रेरित किया जाता हैं। माँ को स्वयं के आहार के प्रति जागरूक किया जाता है।

परियोजना के स्वास्थ्य शिविर में डॉक्टर द्वारा मरीजों की स्वास्थ्य जाँच कर उपचार लिखा जाता है।

मेल–नर्स तथा फिमेल नर्स द्वारा दवा दी जाती है और दवा खाने का तरीका भी बताया जाता है। मरीजों की बीमारी के अनुसार ही दवा दी जाती है और उपचार चलाने के लिए जागरूक किया जाता है। मरीजों को 3–15 दिन का उपचार दिया जाता है। बी.पी., अस्थमा जैसी बिमारियों का ईलाज लगातार चलता है। उन्हें 15 दिन का उपचार दिया जाता है। परियोजना टीम द्वारा लगातार गाँव में भ्रमण कर ग्रामवासियों से सम्पर्क किया जाता है। गाँव में महिलायें गर्भवती होने पर टीम के पास जाँच हेतु आती है और पॉजीटीव होने पर लगातार उपचार दिलवाया जाता है। उनके वजन, बी.पी., दैनिक दिनचर्या, कामकाज, खून की जाँच, दिन के समय आराम, टीकाकरण, सोनोग्राफी, स्वयं की पहचान संबंधित दस्तावेजों का कार्य पूर्ण तथा आँगनबाड़ी केन्द्र पर लगातार सम्पर्क आदि का पूर्ण जानकारी दी जाती है तथा टीम द्वारा रिकॉर्ड भी रखा जाता है। समय–समय पर संस्थागत प्रसव व प्रसव के बाद माँ का पहला दूध जिसे खीस कहा जाता है के लिये प्रेरित किया जाता है। गर्भवती महिलायें स्वास्थ्य शिविर में पहुँचकर नियमित जाँचों का मूल्याकंन तथा दवाईयाँ प्राप्त करती है। इसके साथ सरकारी संस्थानों पर लगातार सम्पर्क बनाये रखने के लिये प्रेरित भी किया जाता है। गर्भवती महिलायें पूर्ण गर्भावस्था के दौरान टीम से जुड़ी रहती है और उपचार प्राप्त करती है।

गर्भवती एवं धात्री महिला जाँच :– कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य गाँव स्तर की महिलाओं को स्वास्थ्य सुविधाएँ प्रदान करना है। विशेषतः प्रत्येक गर्भवती महिला को स्वास्थ्य लाभ पहुँचाना है तथा मातृ मृत्युदर को कम करना है। महिलाओं में गर्भवती तथा धात्री महिलाओं पर ध्यान केन्द्रित करना है। टीम वर्तमान के कार्यक्षेत्र में पिछले 03 वर्षों से कार्य कर रही है। इन वर्षों में प्रत्येक गाँववासी को कार्यक्रम की सुविधाओं की जानकारी है। स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता की भी गाँव में अच्छी पहचान बन चुकी है। गाँव में अगर किसी महिला को कोई तकलीफ होती है तो वह स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता से तुरन्त सम्पर्क करती है तथा जाँच करवाकर उपचार शुरू करती है। महिला को गर्भ से होने का अंदेशा होने पर स्वास्थ्य टीम या आँगनबाड़ी केन्द्र पर जाँच करवा कर पुष्टी कर लेती है। गर्भवती महिला के प्रथम बार स्वास्थ्य शिविर में पहुँचने पर उसका रजिस्ट्रेशन किया जाता है। उसके बाद लगातार शिविर में पहुँचकर स्वास्थ्य जाँच करवाने के लिए प्रेरित किया जाता है। टीम द्वारा गर्भवती महिला की प्रत्येक विजिट का अलग–अलग रिकॉर्ड रखा जाता है। इसके साथ ही स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता द्वारा स्वास्थ्य शिविर के बाद लगातार गृह भ्रमण कर स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी प्राप्त की जाती है। इसके साथ उसकी काउन्सिलिंग की जाती है जिसमें पोषाहार, स्वच्छता, दैनिक दिनचर्या, आराम, जननी सुरक्षा योजना तथा खून की जाँच आदि के लिए प्रेरित किया जाता है। इसके साथ ही संस्थागत प्रसव, टीकाकरण, माँ का पहला दूध आदि बिन्दुओं पर भी चर्चा की जाती है। परियोजना के द्वारा इस वर्ष में 265 गर्भवती महिलाओं का पंजीकरण कर कार्यक्रम की सुविधाएँ प्रदान की गयी। पंजीकृत गर्भवती महिलाओं को बच्चा होने तक स्वास्थ्य जाँच एवं उपचार की सुविधा प्रदान की गई है। टीम द्वारा 265 पंजीकृत महिलाओं को 2447 बार स्वास्थ्य जाँच एवं उपचार दिया गया। प्रत्येक विजिट पर उन्हें लगातार वजन बढ़ाने, पोषाहार, स्वच्छता, आराम, संस्थागत प्रसव तथा माँ का पहला दुध पिलाने के लिये जागरूक किया जाता है। साथ ही बेटा–बेटी में अन्तर न करके बेटी को भी समान अवसर प्रदान करने के लिये प्रेरित किया जाता है। बेटी को भी उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर देना चाहिये

बच्चे एवं माँ को बच्चे के सम्पूर्ण टीकाकरण, स्तनपान, स्वच्छता, पोषाहार, जन्म प्रमाण पत्र के साथ विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जाती हैं। इस वर्ष में टीम द्वारा 252 धात्री महिलाओं का उपचार एवं परामर्श एवं स्वास्थ्य देखभाल की गयी। विभिन्न जागरूकता बैठकों तथा रैलीयों के माध्यम से गाँवों की महिलाओं को ग्राम स्तर पर जागरूक किया जाता है और स्वास्थ्य देखभाल हेतु प्रेरित किया जाता है।

टीकाकरण :– स्वास्थ्य टीम गाँव में स्वास्थ्य सेवाएँ तथा चिकित्सा सेवाएँ प्रदान करती है। गर्भावस्था तथा बच्चों का सम्पूर्ण टीकाकरण भी बच्चों के बेहत्तर तथा सुरक्षित भविष्य के लिये आवश्यक है। यह टीकाकरण बच्चों को सात बिमारियाँ जैसे :– क्षय रोग, डिप्थीरिया, काली खाँसी, खसरा, टिटनेस, हेपेटाइटिस बी तथा चिकन पॉक्स आदि से बचाते है। इसके साथ ही बच्चों को पोलिया की दवा भी पिलाई जाती है। यह सब टीकाकरण सरकार द्वारा स्वास्थ्य विभाग के अर्न्तगत संचालित ग्राम स्तर पर आँगन बाड़ी केन्द्रों पर निःशुल्क किया जाता हैं। आँगनबाड़ी केन्द्र पर कार्यरत आशा सहयोगिनी तथा टीम का स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता टीकाकरण से पूर्व ग्रामवासियों को सूचना प्रदान करता है। टीकाकरण के दिन आँगनबाड़ी केन्द्र पर टीकाकरण में सहयोग किया जाता है। टीकाकरण के दिन गर्भवती महिलाओं तथा बच्चों को टीके लगाये जाते है। जिसका रिकॉर्ड स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता तथा आँगनबाड़ी कार्यकर्त्ता द्वारा रखा जाता है। इस अवसर पर महिलाओं को एकत्रित कर जागरूकता बैठक का आयोजन कर महिलाओं को टीकाकरण की महत्ता तथा उपयोगिता बतायी जाती है तथा सम्पूर्ण टीकाकरण हेतु प्रेरित किया जाता है। इस वर्ष में टीम के सहयोग से कार्यक्रम के 12 गाँवों में आँगनबाड़ी केन्द्रो पर टीकाकरण किया गया जिसकी रिपोर्ट है–175 बी.सी.जी., 195 पेन्टा प्रथम, 2016 पेन्टा द्वितीय, 242 पेन्टा तृतीय, 242 IPV, 225 खसरा, 231 डी.पी.टी. बूस्टर प्रथम, 17 डी.पी.टी बूस्टर द्वितीय तथा गर्भवती को 312 टीटी लगाये गये। टीम द्वारा प्रत्येक गाँव से प्रत्येक माह में रिकार्ड प्राप्त किये जाते है और मासिक रिकार्ड में दर्ज कर संस्था तथा टी.एच.एफ. को प्रदान किये जाते है।

टीम द्वारा उन महिलाओं के घर भ्रमण कर टीकाकरण हेतु प्रेरित किया जाता है, जो टीके नहीं लगवाते हैं, उन्हें टीकाकरण हेतु प्रेरित कर टीकाकरण करवाया जाता है। टीम द्वारा नवम्बर माह में विश्व टीकाकरण दिवस भी मनाया गया। दिवस पर जागरूकता बैठकों तथा रैली का आयोजन किया गया। इन बैठकों तथा रैलियों के माध्यम से ग्रामवासियों को सम्पूर्ण टीकाकरण करवाया जाता है। टीकाकरण करवाने हेतु काउन्सलिंग भी की जाती हैं। महिलाओं को टीकाकरण चार्ट समझाया जाता हैं। टीम के सहयोग से इस वर्ष में कुल 1845 टीकाकरण करवाया गया।

मातृ मृत्यु दर एवं शिशु मृत्यु दर :– कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है गर्भवती महिलाओं को जागरूक कर नियमित जाँच एवं उपचार के माध्यम से संस्थागत प्रसव के फायदें बताये जाते है तथा शिशु को सुरक्षित वातावरण मिलता है। कार्यक्रम के विभिन्न आयाम है जिसका उद्देश्य ग्रामवासियों को उनके उद्देश्य के प्रति जागरूक करना ही विशेषतः महिला स्वास्थ्य का मुद्दा है। महिलाओं को वर्तमान के परिपेक्ष में छोटा परिवार, सुखी परिवार के लिए प्रेरित किया जाता है। गर्भावस्था के दौरान पोषाहार तथा दैनिक दिनचर्या,

दिन के समय आराम, नियमित जाँच, वजन, बी.पी., खून की जाँच, टीकाकरण, सोनोग्राफी के साथ–साथ लगातार उपचार की सलाह दी गयी ताकि मातृ मृत्यु दर को कम किया जा सकें। जागरूकता बैठकों में स्तनपान का तरीका, स्वच्छता, माँ का पहला दुध आदि के प्रति गर्भावस्था में जागरूक किया जाता हैं तथा उसके बाद पी.एन.सी. विजिट पर भी प्रेरित किया जाता है ताकि शिशु मृत्यु दर को कम किया जा सकें। वर्ष भर में कार्यक्षेत्र के 12 गाँवों में 1 भी मातृ मृत्यु नहीं हुई। वर्षभर में 245 बच्चों का जन्म हुआ जिसमें से 6 बच्चों की मृत्यु हुई है। जो पिछले वर्ष की मृत्यु दर से काफी कम है। टीम द्वारा समय–समय पर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जाती है और जागरूकता बैठकों, रैलियों तथा काउन्सिलिंग द्वारा लगातार जागरूक किया गया।

संस्थागत प्रसव :– कार्यक्रम का उद्देश्य ही गर्भवती महिलाओं का नियमित उपचार कर संस्थागत प्रसव करवाना है। जागरूकता बैठकों का आयोजन कर महिलाओं को संस्थागत प्रसव, जननी सुरक्षा योजना, 104 व 108 की सुविधाओं आदि के साथ–साथ संस्थागत प्रसव में माँ व बच्चें की सुरक्षा तथा उपयोगिता के प्रति सचेत किया। सरकारी अस्पताल में प्रसव कराने पर मिलने वाले लाभ की जानकारी स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता द्वारा गृह भ्रमण कर परिवारों को दी गई। महिला के साथ–साथ परिवार को भी संस्थागत प्रसव हेतु प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम के 12 गाँवों में इस वर्ष के दौरान 203 प्रसव सरकारी अस्पताल में हुये। 40 प्रसव निजी अस्पताल में तथा 02 प्रसव घर पर हुये। इस वर्ष भर में कुल 245 प्रसव हुये।

जागरूकता बैठक :– कार्यक्रम में स्वास्थ्य शिविर तथा जागरूकता का नियमित रुप से आयोजन किया जाता है। टीम के द्वारा महिलाओं, किशोर–किशोरी तथा ग्राम स्वास्थ्य कमेटी के सदस्यों के साथ जागरूकता बैठकों तथा रैलियों का आयोजन किया जाता है। इन जागरूकता बैठकों तथा रैलियों में स्वास्थ्य सम्बन्धित विभिन्न मुद्दों, विभिन्न बिमारियों पर चर्चा की जाती है तथा जागरूक किया जाता है। इसके साथ ही माह में एक बार एक राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय दिवस भी मनाया जाता है। इस तरह वर्ष भर में 12 राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय दिवसों का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष टीम द्वारा महिलाओं की 12 जागरूकता बैठकों का आयोजन किया गया जिसमें 3108 महिलाओं को जागरूक किया गया। किशोर–किशोरी के साथ 9 जागरूकता बैठकों को आयोजन किया गया। कार्यक्रम के पिछले वर्ष तक किशोरी जागरूकता बैठकों का आयोजन किया जाता था लेकिन इस वर्ष से किशोर–किशोरी जागरूकता बैठकों का आयोजन किया गया। इन जागरूकता बैठकों में किशोर–किशोरी के स्वास्थ्य स्थिति, शारीरिक बदलाव, देखभाल व सावधानियाँ आदि पर भी चर्चा की गयी तथा छेड़छाड़ के प्रति सचेत किया गया। कार्यक्रम में ग्रामवासियों का उच्च स्तर सहयोग प्राप्त करने के उद्देश्य से प्रत्येक गाँव में ग्राम स्तर पर एक ग्राम स्वास्थ्य कमेटी का गठन किया गया है। इनके साथ भी माह में एक बार जागरूकता बैठक का आयोजन कर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जाती है। ग्राम स्वास्थ्य कमेटी की 12 जागरूकता बैठकों के द्वारा 1742 सदस्यों को जागरूक किया गया। समय–समय पर जागरूकता बैठकों के साथ–साथ रैलियों का आयोजन भी किया जाता है।

परिवार नियोजन :– टीम के द्वारा परिवार नियोजन की भी जागरूकता बैठकों में चर्चा की जाती है।

महिलाओं तथा उनके परिवार को छोटे परिवार का महत्व समझाया जाता है। आजकल के महंगाई के जमाने में बच्चों को उच्चतर शिक्षा, सक्षम बनाना तथा सशक्त करना बहुत मुश्किल है। बिना किसी कामयाबी के आने वाले समय में जीवन जीना और भी मुश्किल हो जायेगा। इन बिन्दुओं पर चर्चा कर परिवार नियोजन के साधन जैसे–कण्डोम, गर्भ निरोधक गोलियाँ, महिला नसबंदी, पुरुष नसबंदी, कोपरटी, इंजेक्शन इत्यादि की विस्तृत जानकारी दी गई तथा उपयोग में लेने के लिए प्रेरित किया गया।

टीम के द्वारा स्वयं परिवार नियोजन साधनों को महिलाओं को नहीं देती है जबकि स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता द्वारा महिलाओं को प्रोत्साहित कर आँगनबाड़ी केन्द्र तक पहुँचाने और वहाँ पर आशा सहयोगिनी की देखरेख में महिलाओं को उचित साधन दिया जाता है तथा जागरूक भी किया जाता है। इसके साथ ही नसबंदी के लिए भी प्रेरित किया जाता है। टीम के द्वारा आशा सहयोगिनी के सहयोग से 70 महिला नसबंदी करवाई गई। 17 महिलाओं के कॉपरटी रखवायी। 1938 महिलाओं ने कंडोम किया। 411 महिलाओं ने गर्भ निरोधक गोलियाँ तथा 14 महिलाओं ने सरकार द्वारा संचालित अंतरा इंजेक्शन लगवायें। इस प्रकार 2450 परिवार नियोजन साधनों का उपयोग इस वर्ष में किया गया।

फर्स्ट एण्ड बॉक्स वितरण :– कार्यक्रम के तहत 12 गाँवों के राजकीय प्राथमिक तथा माध्यमिक विद्यालयों में नववर्ष पर फर्स्ट एण्ड बॉक्स का वितरण किया गया। टीम के द्वारा बालक–बालिकाओं के साथ जागरूकता बैठकों का आयोजन किया जाता है। टीम के द्वारा फर्स्ट एण्ड बॉक्स में 12 उपकरण सामग्री का समावेश किया गया। जिसमें बिटाडीन, बेन्डेड, छोटी पट्टी, बड़ी पट्टी, कैंची, रूई इत्यादि जैसी सामग्री दी गई। टीम के द्वारा अध्यापक व अध्यापिकाओं को प्रत्येक सामग्री के उपयोग की जानकारी दी गई तथा समय–समय पर टीम द्वारा नई सामग्री का समावेश किया जायेगा।

सहयोगी संस्थायें

एच.एल.एल. लाईफकेयर लिमिटेड :– कार्यक्रम के साथ एल.एल.एल. लाईफकेयर लिमिटेड संस्था भी जुड़ी हुई है। कार्यक्रम द्वारा एच.एल.एल. लाईफकेयर लिमिटेड से सस्ती दरों पर सेनेटरी नेपकिन खरीदे जाते है और सस्ती दरों पर गाँव की महिलाओं को प्रदान किये जाते है। टीम के जागरूकता बैठकों के माध्यम से महिलाओं तथा बालिकाओं के साथ सेनेटरी नेपकिन के उपयोग पर चर्चा की जाती है। विभिन्न बिमारियों के बचाव को ध्यान में रखते हुये इसके उपयोग पर जोर दिया गया। टीम के द्वारा इस वर्ष 212 सेनेटरी नेपकिन का वितरण किया गया। कार्यक्रम के तहत एक सेनेटरी नेपकिन का पैकेट 10/– रुपये में दिया जाता है। जिसमें 3 सेनेटरी नेपकिन होते है। यह मार्केट में उपलब्ध सेनेटरी नेपकिन से सस्ते है।

मिनाक्षी मिशन हॉस्पिटल व रिसर्च सेन्टर :– 2015–16 से कार्यक्रम को मिनाक्षी हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेन्टर का सहयोग प्राप्त हुआ। मिनाक्षी फाउण्डेशन के द्वारा कार्यक्रम को महिलाओं व बच्चों के लिए निःशुल्क दवाएँ उपलब्ध करवायी जाती है। संस्थान को दो प्रकार की दवाईयाँ उपलब्ध करवाई जाती है। फाउण्डेशन द्वारा एक सेवायें गर्भवती तथा धात्री महिलाओं को विटामिन एन्जेल नाम मल्टी विटामिन गोलियाँ है। इसका एक कोर्स पूरे छः माह तक होता है। साथ ही धात्री महिलाओं तथा एनिमिया से ग्रसित

लोगों को भी यह दवा दी जाती है। टीम के द्वारा लगातार मूल्यांकन कर स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी भी प्राप्त की जाती है। टीम के द्वारा 240 महिलाओं को विटामिन एन्जेल का वितरण किया गया। इसके साथ ही मिनाक्षी फाउण्डेशन द्वारा बच्चों के लिए कृमिनाशक दवा तथा विटामिन ए की दवा उपलब्ध करवायी जाती है। कार्यक्रम का 12 गाँवों के बच्चों को कृमिनाशक दवा तथा विटामिन ए की खुराक पिलायी जाती है। यह दवा 6 माह से 5 वर्ष के बच्चों को दी जाती है। विटामिन ए की खुराक आँखों की रोशनी तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता तथा क्षमता मजबूत करने के लिए 6 माह से 5 वर्ष के बच्चों को पिलायी जाती है। प्रत्येक 6 माह से यह खुराक तथा गोली दी जाती है। टीम के द्वारा इस वर्ष में 626 बच्चों को विटामिन ए तथा कृमिनाशक दवा की खुराक पिलायी गई। खुराक पिलाने के साथ ही महिलाओं को जानकारी दी जाती है और 6 माह बाद फिर से पिलाने के लिये प्रेरित किया गया।

केस स्टडी

बीरी देवी गाँव हाथीपट्टा की रहने वाली है। हाथीपट्टा के रावत समुदाय से सम्बन्ध रखती है। वह 30 वर्ष की है। इनके पति का नाम हंगाम सिंह है। वह ट्रक ड्राईवर है। बीरी देवी के तीन बच्चे है–सबसे बड़ा बच्चा रोहित जो कि 8 वर्ष का है। उससे छोटा करन है वह 6 वर्ष का है और सबसे छोटा अर्जुन है वो 4 वर्ष का है। बीरी देवी के दोनों बड़े बच्चे रोहित व करण गाँव के राजकीय विद्यालय में पढ़ते है और अर्जुन अभी छोटा है इसलिए उसे प्राईवेट स्कूल में पढ़ने के लिए भेजते है।

बीरी की सास का नाम अमरी देवी है और ससुर का नाम ब्रह्मा जी है। अमरी देवी के चार बेटे है। बड़े बेटे का नाम जयसिंह है तथा उसकी पत्नी ज्ञाना है। उसे चार बच्चे है आरती, आशीष, दिव्या और सम्राट सभी गाँव के राजकीय विद्यालय में पढ़ते है। जयसिंह से छोटा हंगामसिंह है उससे छोटा विजयसिंह है। विजयसिंह की पत्नी का नाम रेखा हैं उनके कोई बच्चा नही है। वह नियमित माहवारी आने की दवाई ले रही हैं और पिछले एक माह से संस्था से जुड़ी हुई है। सबसे छोटे बेटे का नाम सोहनसिंह है वह अभी पढ़ाई करता है। बीरी देवी के 5 बीघा जमीन है जो शामिल में है। सभी अलग–अलग कार्य करते है और साथ में खेती का कार्य भी करते हैं। उनके कुएँ में पानी है जिससे वे कृषि कार्य करते हैं। बीरी देवी की सास ज्यादातर कृषि कार्य करती है। उनका पूरा परिवार मेहनती है। सभी किसी न किसी कार्य में व्यस्त रहते है। इसके साथ ही पशुपालन का कार्य भी करते है। उनके पास 2 भैंसे, 2 गाय तथा 2 बकरियाँ है। वे उन्हें चराने के लिए बाहर नहीं ले जाते बल्कि वहीं पर ही चारा लाकर डालते है क्योंकि घर के सभी सदस्य किसी न किसी काम में व्यस्त होते हैं। किसी के पास समय नहीं होता। इसलिए बीरी देवी के ससुर घर पर ही चारा लाकर डालते है। गाँव हाथीपट्टा में स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता लक्ष्मी रावत द्वारा भ्रमण कर स्वास्थ्य शिविर एवं जागरूकता बैठकों की जानकारी दी गई। स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता बीरी देवी के परिवार को अच्छे से जानती है और कई बार घर भ्रमण कर जानकारी भी दे चुकी है। इसके साथ ही बीरी देवी का परिवार भी कई बार स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ ले चुका है। बीरी देवी अपने पीहर में शादी में गयी। वहाँ पर वह बीमार हो गई तो उन्होंने आते समय श्रीनगर के राजकीय अस्पताल से सर्दी–जुकाम की दवा ले ली। 5 दिन की

दवा से उनकी सर्दी–जुकाम तो ठीक हो गया लेकिन गले का दर्द ठीक नहीं हुआ। इसके बाद वे फिर से श्रीनगर गई और एक बंगाली डॉक्टर के पास गई उनसे 5 दिन की दवा लाई और उन्होंने इंजेक्शन भी दी। इससे भी उन्हें फर्क नहीं पड़ा। इस बीच एच.एम.एम.एस. टीम का स्वास्थ्य शिविर भी लगाया गया तो, बीरी ने स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता को इसकी जानकारी नहीं दी। स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता के द्वारा स्वास्थ्य शिविर के बाद घर भ्रमण किया गया तथा बीरी देवी की सास अमरी देवी से बातचीत की गई। अमरी देवी ने पेट दर्द की दवा ली थी तो अमरी देवी ने बताया की उसका पेट दर्द ठीक हो गया। स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता ने उनके परिवार की स्वास्थ्य जानकारी के बारे में पूछा तो अमरी देवी अपनी बहू बीरी देवी के बारे में जानकारी दी। स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता ने कहा कि कई बार घर भ्रमण पर भी बीरी देवी ने गले मे दर्द के बारे में नहीं बताया। स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता द्वारा बीरी देवी से बातचीत की गई तो बीरी देवी ने बताया कि मैंने सोचा कि गर्भवती महिला तथा बच्चों को दवाई देते होंगे पता नहीं गले में छाले की दवा मिलेगी या नहीं और मैंने पूछा भी नहीं। स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता ने बताया कि टीम के द्वारा 27 सितम्बर 2018 को गाँव में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जायेगा। तब तक आप गुनगुने पानी में नमक डालकर दिन में 3–4 बार गरारे करना ताकि आपको कुछ मिल सकें।

एच.एम.एम.एस. टीम के द्वारा 27.10.2018 को गाँव हाथीपट्टा में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। बीरी देवी को स्वास्थ्य शिविर की जानकारी दी गई। वे शिविर में पहुँची तथा डॉ. अब्दुल मलिक से मिली। डॉ. साहिब को बताया कि 20–25 दिन पहले सर्दी–जुकाम हो गया था। उसकी दवा ली तो सर्दी–जुकाम ठीक हो गया लेकिन गले में दर्द नहीं जा रहा है। इसकी दवा भी लेकर आई लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। उसके बाद कोई दवा नहीं ली। डॉ. अब्दुल मलिक द्वारा बीरी देवी की जाँच की गयी तथा बताया गया कि आपके गले में छाले हो गये है। आप खाने में ज्यादा गर्म चीजे मत खाओ और ज्यादा मिर्च–मसाले का उपयोग मत करो। कम मिर्च–मसालों से युक्त भोज्य पदार्थों का उपयोग किया करो। इसके साथ ही 10 दिन की दवा देंगे। उसे पूरी तरह से समय पर लेना। गुनगुने पानी में नमक डालकर गरारे करना। बीरी देवी ने बताया कि नमक के पानी से गरारे तो कर रही हूँ। नर्स कंचन पारीक ने बीरी देवी को दवा दी तथा लगातार समय पर दवा खाने की सलाह दी। इसके साथ ही गुनगुने पानी में नमक डालकर गरारे करना लगातार जारी रखने की सलाह दी। अगामी स्वास्थ्य शिविर में आने के लिए प्रेरित किया।

स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता द्वारा घर भ्रमण कर बीरी देवी से उनके स्वास्थ्य स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की गयी। बीरी देवी ने बताया कि पहले से ठीक है परन्तु दवाएँ अभी चल रही है। दवायें खत्म होने पर ही पता चलेगा कि उसके बाद भी ठीक रहती हूँ या नहीं! स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता द्वारा उपचार लगातार रखने की जानकारी दी गई व दिनांक 12.10.2018 के स्वास्थ्य शिविर की जानकारी भी दी गई। टीम के आगामी स्वास्थ्य शिविर में बीरी देवी आयी तथा बताया कि वैसे तो ठीक है लेकिन शाम को कभी–कभी दर्द होता है। डॉ. अब्दुल मलिक द्वारा जाँच की गई तथा दवा दी गई और बताया कि दवा तथा गुनगुने पानी का सेक लगातार रखो। दवा नियमित रुप से लेना। 10 दिन बाद स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता द्वारा भ्रमण किया गया। बीरी देवी ने बताया कि इस बार दवा 5 दिन बाद की दी थी। मैंने समय पर दवा ली और लगातार दवा ली

और गुनगुने पानी का सेक किया। अब 5 दिन हो गये है। मैं अब कोई दवा नहीं ले रही न ही गुनगुने पानी से गरारे कर रही हूँ और मुझे अब दर्द भी नहीं हो रहा है। उस समय उनकी सास भी वही थी। उन्होंने कहा कि ये तो भला है गाड़ी चलाने वालो का जो हमें गाँव में आकर दवा देते है और समय–समय पर सलाह देते है व देखने भी आते है कि दवा ली या नहीं, दवा से फर्क पड़ा या नहीं इसके साथ ही अलग–अलग प्रकार की जानकारी भी देते है। बीरी देवी की सास अमरी देवी के द्वारा तब उनकी छोटी बहू रेखा देवी की नियमित माहवारी न आने तथा बच्चा न होने की समस्या पर चर्चा की गई। स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता द्वारा उन्हें स्वास्थ्य शिविर में लाने की सलाह दी तथा लगातार उपचार लेने के लिए प्रेरित किया। अमरी देवी ने कहा कि वह स्कूल पढ़ाने जाती है। अगली बार उसे छुट्टी दिलाकर फिर लेकर आएंगे। आपका बहुत–बहुत भला हो। आपने बीरी का ईलाज कर दिया। आप रेखा का भी ईलाज कर दो तो हम आपका एहसान कभी नहीं भूलेंगे। सभी का धन्यवाद करते हुये उन्होंने अपने शब्दों को विराम दिया।

लक्षित हस्तक्षेप परियोजना (माईग्रेन्ट टी.आई.)
Targeted Intervention Migrant Programme, Chittorgarh

आज देश का प्रत्येक नागरिक यूं तो बहुत सजगता से जीवन जी रहा है। परन्तु हमारे जीवन की कार्यशैली, बढ़ती महँगाई लालसा, विलासिता में हम इतने चूर हो चुके है कि जीवन के लिए क्या अच्छा है, क्या बुरा हम सब भूल चुके है। जीवन के लिए हवा, पानी, घर व अन्य सम्बन्धित आवश्यकता बन चुकी है। आज देश में वैज्ञानिक साधन, प्रशासन, इतने बड़े गये है कि देश की जनता पर मोबाईल और मिडिया बहुत अधिक हावी हो चुका है। जिसके कारण उसकी उपयोगिता तो बढ़ी ही है साथ ही उसके दुष्परिणाम भी हम सभी को भुगतान करने होंगे।

हमारे भारत देश में भिन्न–भिन्न जातियों के लोग है। उनमें सभी अपने–अपने अंदाज व नियम बनाये हुए है। कुछ लोग जरूरी नहीं समझते है लेकिन कुछ लोगों को सामाजिक दबाव के कारण इन सभी का अनुसरण करना पड़ता है।

ऐसे ही देश के हम उन तबके के लोगों की बात कर रहे है जो बहुत ही मेहनती, कर्मठ, ऊर्जावान तो है परन्तु भारतीय समाज में उनका स्तर मायने नहीं रखता। अपने रोज के जीवन को जीना भी उनके लिए दुर्भर है। उन लोगो को आज के जीवन में चकाचोंद का थोड़ा बहुत अनुमान है पर उस तरह जीवनयापन करना मुश्किल नहीं नामुमकिन हैं। जो सिर्फ कल्पना किया जा सकता है उसको पूरा नहीं।

इन्हीं में कुछ समुदाय वर्ग के लोग है, जो रोज काम करते है, ना केवल उनको काम करना है बल्कि उसको इस रोजगार के लिए गांव, ब्लॉक, पंचायत, जिला, राज्य सबको दूर छोड़ना पड़ता है क्योंकि वह इतना सक्षम नही है कि वह गांव में रहकर रोजगार की व्यवस्था कर सके। सबसे बड़ी मजबूरी वह गरीब है। अशिक्षित, लाचार, ज्ञान के अभाव में उसको रोजगार के लिए बाहर जाना ही पड़ता है ताकि परिवार के

लोगो की गुजर बसर कर सके। देश के 30 से 40 प्रतिशत लोग भारत देश के एक बड़े कोने से दूसरे कोने में जाकर रोजगार का जुगाड़ करते हैं। उसमें कुछ अकेले, कुछ परिवार के साथ घर से बहुत दूर चले जाते है।

राजस्थान स्टेट एड्स कन्ट्रोल सोसायटी, जयपुर के वित्तिय सहयोग द्वारा ग्रामीण महिला विकास संस्थान के माध्यम से माईग्रेन्ट टी.आई. कार्यक्रम का संचालन 1 मार्च 2014 से चित्तौड़गढ़ जिले में संचालित है। माईग्रेन्ट टी.आई. द्वारा चित्तौड़गढ़, सावा, निम्बाहेडा, कपासन, चन्देरिया व अन्य क्षेत्रों में कार्यक्रम द्वारा लोगो को सजग किया जा रहा है।

चित्तौड़गढ़ – रेलवे ट्रेक, इण्डियन ऑयल, पंचवटी, अन्य।
सावा – आदित्य फैक्ट्री, मीरा कॉलोनी, जी.डी.सी.एल., एल एण्ड टी अन्य।
निम्बाहेड़ा – लाफार्ज/न्यूवोको, जेके मांगरोल, जे.के. निम्बाहेडा, वण्डर पॉली फेब।
कपासन – गणपति, के. के. कोटेक्स, मारुति ब्रिक्स, अदर।
चन्देरिया – डालडा, बीसीडब्ल्यु, रेलवे ट्रेक, शिवनगर, रामदेव चन्देरिया, हिन्दुस्तान जिंक।

इन सभी क्षेत्रों में जी.एम.वी.एस. टीम द्वारा कार्यक्रम को लोगो तक पहुँचाया जा रहा है। सर्वप्रथम लोगो के साथ समूह बैठक/एकल बैठक के माध्यम से बातचीत करना उच्च जोखिम व्यवहार के महिला पुरुषों को चिन्हित किया जाता है। सभी लोगो को एच.आई.वी./एड्स के बारे में जानकारी दी जाती है। एच.आई.वी./एड्स के फैलाव, स्थिति को बताना। कण्डोम का सही उपयोग व उससे किस तरह हम बहुत सारे संक्रमणों से बच सकते है। टी.बी. के बारे चर्चा, नशे (शराब, गांझा, अफीम) के नुकसान पर चर्चा आदि गतिविधियों की जाती है।

यौन कर्मियों, यौन सम्बंधियों पर चर्चा, एक से अधिक लोगो के साथ सम्बन्ध रखने वाले लोगो को भविष्य में किस तरह नुकसान हो रहा है या हो सकता है महिला–पुरुषों सभी को ये समझाया जाता है कि उच्च जोखिम व्यवहार से जाने–अनजाने में जीवन लीला समाप्त हो सकती है, किस तरह अपने को बचाया जा सकता है पर जानकारी दी जाती है। इसी के साथ परामर्श कैम्प, डी.आई.सी. किसी भी एक के माध्यम से उसका रजिस्ट्रेशन किया जाता है। उसके बाद टी.आई. द्वारा दी जाने वाली अन्य सुविधाओं पर चर्चा की जाती है। साथ ही भिन्न–भिन्न गतिविधियों से जोड़ा जाता है – ड्रामा, कॉन्ग्रिगेशॅन, इवेन्ट, डिमाण्ड जनरेशन गतिविधि, आवश्यकता पड़ने पर एडवोकेसी, क्राईसेस मीटिंग व कण्डोम आउटलेट पर पहुँच बनाना है। जिससे माईग्रेन्ट लोग अपनी–अपनी सुरक्षा के साथ घर वालो की भी सुरक्षा कर सके ताकि आने वाले समय में वो लोग देश के किसी भी क्षेत्र में रह रहे हो एच.आई.वी. संक्रमण, टी.बी. से बचाव कर सके।

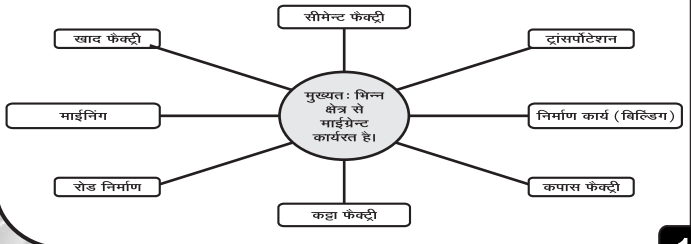

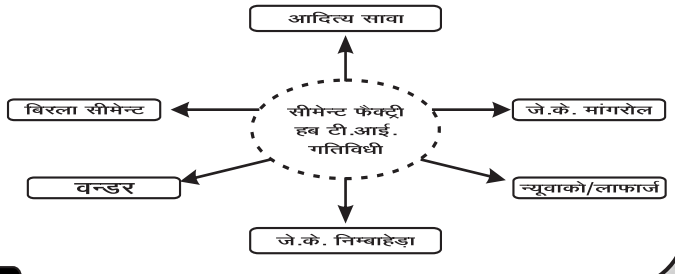

इस कार्यक्रम के तहत प्रतिवर्ष संस्थान 10000 उच्च जोखिम माईग्रेन्ट जो उच्च जोखिम व्यवहार से जीवन यापन कर रहे है उन सभी तक टी.आई. परियोजना के माध्यम से एच.आई.वी. के प्रति जागरूक किया जा रहा है। भारत देश के विभिन्न राज्यों में उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, बिहार, झारखण्ड, पंजाब, हरियाणा, गुजरात, केरल, उड़ीसा व अन्य राज्यों से संबंधित है। कुछ लोग अन्य देश जैसे नेपाल से संबंधित है।

चित्तौड़गढ़ जिले में सीमेन्ट फैक्ट्री, कपास फैक्ट्री, खाद फैक्ट्री, कपड़ा फैक्ट्री, माईनिंग रोड़ निर्माण, बिल्डिंग निर्माण आदि क्षेत्रों में कार्यरत है। मुख्यत सीमेन्ट फैक्ट्रीयों में से है आदित्य, जे.के. मांगरोल, जे. के. निम्बाहेड़ा, लाफार्ज/न्यूवॉको, वन्डर, बिरला, व अन्य फैक्ट्रियों में से गणपति फैक्ट्री, पोली फेब है इस कार्यक्रम में कुछ लोग **FCI** गोदाम से संबंधित है।

ग्रामीण महिला विकास संस्थान ने अभी तक 46331 लोगों जिनका व्यवहार उच्च जोखिम को रजिस्टर्ड किया गया। इन सभी रजिस्टर्ड लोगों में से एच.आई.वी. के जाँच कुछ लोगों की ही की गई। संस्थान सी.बी.टी. द्वारा पॉजीटिव आने पर आई.सी.टी.सी. सरकारी अस्पताल में जाँच करवाई। इसके बाद पॉजीटीवीटी आने पर ए.आर.टी. से जुड़वा दिया। जहाँ से एच.आई.वी. की दवाई निःशुल्क दिलवाई गयी। संस्था द्वारा 51 कण्डोम आउटलेटस बनाये हुए है, जहाँ से माईग्रेन्ट कण्डोम आसानी से उचित मूल्य पर अन्य दुकानों से सस्ता उपलब्ध हो सकता है।

संस्था द्वारा 10323 लोगों को इस साल में रजिस्टर्ड किया। परामर्शकर्त्ता द्वारा 6518 लोगों को परामर्श दिया। 4174 लोगों को रेफर, 3064 की एच.आई.वी. या एड्स की जाँच की संस्था द्वारा 215 निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया। माईग्रेन्ट लोगों को समूह बैठक द्वारा 34581 लोगों तक पहुँच बनायी व जागरूक किया। आउटलेट व अन्य से 20250 कण्डोम को बेचा गया। 24 नुक्कड़ नाटक के द्वारा क्षेत्रों में माईग्रेन्ट लोगों को एच.आई.वी., टी.बी., एस.टी.आई., कण्डोम के प्रति जागरूक किया। 223 यौन रोगियों का उपचार व फॉलोअप किया।

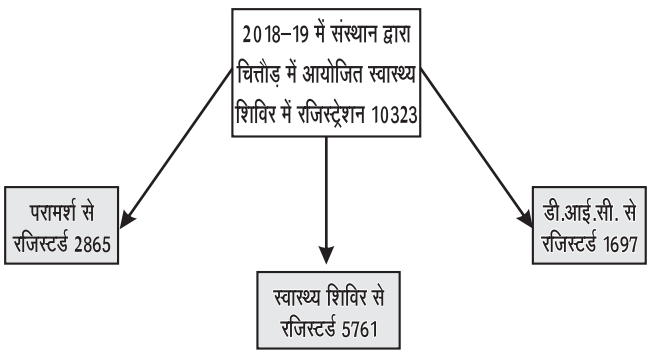

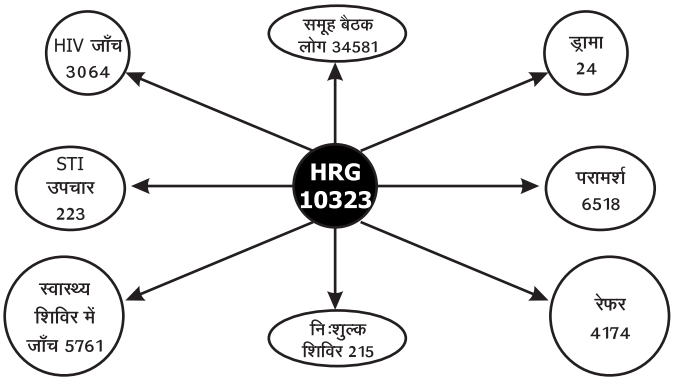

उद्देश्य :

- प्रतिवर्ष 10000 उच्च जोखिम व्यवहार के व्यक्तियों को रजिस्टर्ड करना।
- डी.आई.सी. में एकल व समूह बैठक करना ताकि लोगों को अधिक से अधिक जोड़ा जा सकें।
- एच.आई.वी. की जाँच व परामर्श पॉजिटिव आने पर आई.सी.जे.सी. व ए.आर.टी. से जोड़ना।
- एच.आई.वी. जागरूकता के साथ कण्डोम की उपयोगिता समझाना।

रणनीति :

- निःशुल्क शिविरों में लोगों की उपस्थिति बढ़ाना।
- उच्च जोखिम व्यवहार के प्रति जागरूक करना।
- कण्डोम की उपयोगिता बढ़ाना।
- नुक्कड़ नाटकों के द्वारा लोगों को एच.आई.वी. के प्रति जागरूक करना।
- महिला व पुरूषों की उनके अनुरूप बैठक आयोजित करना ताकि खुलकर बात हो सकें।

गतिविधियाँ :

1. साप्ताहिक रिव्यू बैठक करना।

2. मासिक रिव्यू बैठक करना।

3. त्रैमासिक बैठक करना।

सभी बैठकों के माध्यम से टी.आई. में कार्यरत स्टाफ की गतिविधियों की जानकारी लेना। कार्यक्रम में आ रही बाधा पर चर्चा करना। कार्यक्रम की बाधाओं पर पी.एम. या पी.डी. के अलावा कमेटी सदस्यों से भी बातचीत कर सुलझाया जा सकता है। कमेटी (डी.आई.सी. कमेटी) एडवोकेसी कमेटी, प्रोग्राम मेनेजमेन्ट कमेटी व अन्य कमेटीयों के द्वारा सब कार्यक्रम में सर्पोट करने के लिए दो जिसमें स्टाफ के अलावा वकील को भी सम्मिलित किया गया है। टी.आई. कार्यक्रम कैसे सुचारू कर सकते है। ये सब इन मिटिंग के द्वारा टारगेट पूरा करने में साहयक है।

✍ **रजिस्ट्रेशन :–** PL/ORW/Counseller के द्वारा तीन माध्यम से केम्प, परामर्श व डी.आई.सी. से एच.आर. जी. का रजिस्ट्रेशन करना।

✍ **परामर्श :–** परामर्शकर्त्ता द्वारा 14 प्रकार के परामर्श का उपयोग उच्च जोखिम व्यवहार की जानकारी लेना। छःमाह में एक बार जाँच करवाना (एच.आई.वी. / एस.टी.आई.) उच्च जोखिम व्यवहार को जानना व उसमें कमी लाना। संस्थान द्वारा 6518 लोगों को परामर्श प्रदान किया।

✍ **रेफरल व लिंकेज :–** उच्च जोखिम माईग्रेन्ट लोगों को टी.आई. कार्यालय, डी.आई.सी., आई.सी.टी.सी ए.आर.टी.टी. व अन्य जगह रेफर करना। इस वर्ष 4174 माईग्रेन्ट लोगों को रेफर किया।

✍ **नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर :–** इस वर्ष कुल 215 निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किये गये। जिसमें 5761 माईग्रेट लोगों की जाँच की गई। 3064 लोगों की एच.आई.वी. जाँच व 223 लोगों को एस.टी.आई. उपचार दिया।

✍ **नुक्कड़ नाटक :–** इसके माध्यम से एच.आई.वी. / एस.टी.आई. के प्रति लोगों को जागरूक किया। एच.आई. वी. / एस.टी.आई. व टी.बी. से कैसे बचाव किया जा सकता है। सुरक्षित व्यवहार के लिए कण्डोम के उपयोग के लिये प्रेरित किया गया।

✍ **डेटा मूल्याकंन :–** एम. एण्ड ई. के माध्यम से डेटा का मूल्यांकन करना। फिल्ड द्वारा प्राप्त आँकड़े सही से जाँचना तथा प्रोग्राम मैनेजर द्वारा उनकी जाँच करवाना। सभी एकत्रित रिर्पोट्स को RSACS तक पहुँचाना।

✍ **व्यवहार परिवर्तन :–** जो व्यक्ति उच्च जोखिम व्यवहार करते है उन लोगों के साथ सौहार्दपूर्ण से पेश आना। साथ ही शांतिपूर्वक मिटिंग करना ताकि लोगों को जागरूक करके उनको सुरक्षित व्यवहार के लिये प्रेरित किया जा सके।

✍ **कार्यक्रम :–** टी.आई. कार्यक्रम के द्वारा 31 इन्डीकेटर का अनुसरण करना ताकि माईग्रेन्ट को स्वास्थ्य के प्रति सचेत किया जा सकें। एच.आई.वी. या एस.टी.आई. संक्रमित होने पर उपचार करवाया जा सकें। साथ टी.बी. के प्रति जानकारी व आवश्यकता होने पर उपचार हो सकें।

उपलब्धियाँ :

- जिला समन्वयक द्वारा पी.एम.ओ., सी.एम.एच.ओ. व आई.सी.टी.सी., प्रभारी, परामर्शकर्त्ताओं, एल.टी. के साथ नेटवर्क बनाना।
- एडवोकेसी के माध्यम से टी.आई. प्रोग्राम में समझ बनाकर जुड़ाव करवाना।
- लोगों को एच.आई.वी. या एस.आई.टी. के प्रति जागरूक कर उनका उपचार करना तथा उनकी भय व भ्रांति को दूर करना
- महिला–पुरूष दोनो को इतना जागरूक करना कि वह कहीं भी रहें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें।
- माईग्रेन्ट को सरकारी, गैर सरकारी सुविधाओं की जानकारी देना व जुड़ाव करना।
- सी.बी.टी या एस.टी.आई. किट से माईग्रेन्ट लोगों को उनके अनुसार जगह पर जाकर जाँचा जा सकता है।
- एडवोकेसी व क्राईसिस के माध्यम से माईग्रेन्ट को कार्यक्रम द्वारा मदद करना व जुड़ाव करना।

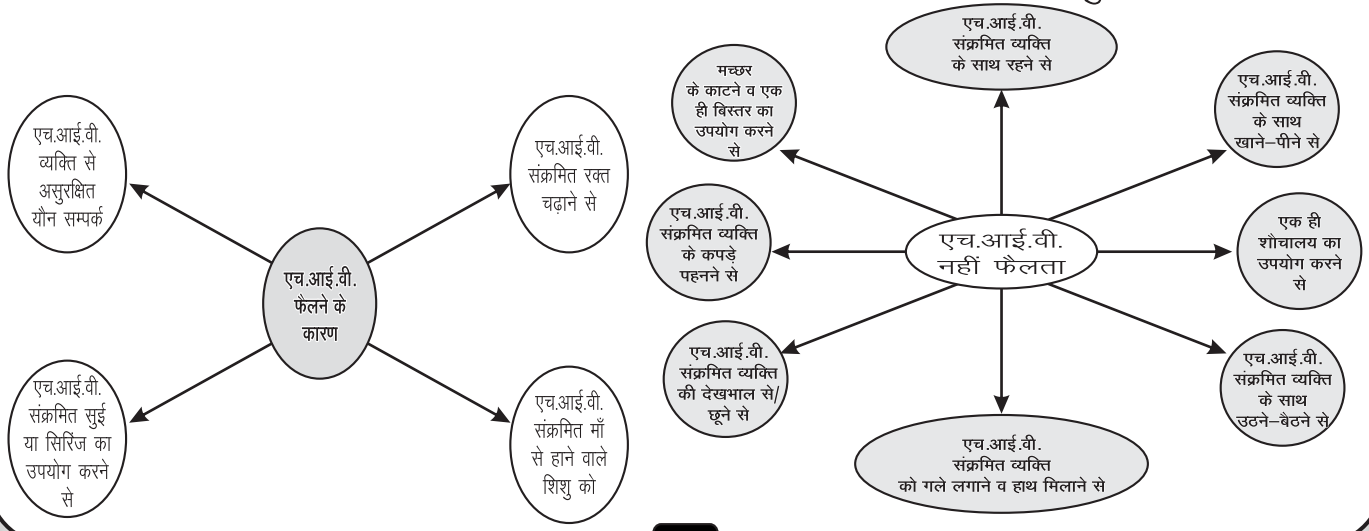

ग्रामीण महिला विकास संस्थान, चित्तौड़गढ़ में चैयरमैन श्रीमान् सुशील शर्मा, यू.आई.टी. चैयरमैन श्रीमान् सुरेश झंवर एम.एल. चन्द्रभानसिंह टी.आई. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहे। जिनका स्वागत टी.आई. टीम ममता सिंह चौहान, नरेन्द्र गर्ग, छोटूलाल आदि द्वारा किया गया। इसके साथ एड्स दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों में विशिष्ट अतिथि टी.आई. चैयरमेन श्री सुरेश झंवर, चैयरमैन श्री सुशील शर्मा, नर्सिंग कॉलेज प्रिंसीपल श्रीमान् राकेश जी सोनी, मीनू कंवर जी, उर्मिला पुरोहित जी मुख्य अतिथि रहे। जिसमें ए.आर.टी. परामर्शकर्त्ता वन्दना दशोरा, लक्ष्मण शर्मा, अनिल शर्मा, मिठ्ठू धाकड़, एस.टी.आई. काउन्सलर योगेन्द्रसिंह, ईश्वर, अभिषेक, कालु, रमेश, महेन्द्र, मुकेश, ब्रिजेश इन सभी का इस कार्यक्रम के विशेष आयोजन में सहयोग रहा।

किसान उत्पादक संगठन कार्यक्रम, पं.स. भिनाय (अजमेर)
Farmer Producer Organization Programme, Bhinai (Ajmer)

संस्थान के द्वारा अजमेर जिले की पंचायत समिति भिनाय के ग्राम बुबकिया व लामगरा में 4 किसान समृद्धि प्रोड्यूसर कम्पनियों का संचालन किया जा रहा है। चारों कम्पनियाँ कम्पनी एक्ट में रजिस्टर्ड की हुई है। कम्पनी रजिस्ट्रेशन से किसानों को समय पर स्थानीय स्तर पर खाद–बीज, दवाईयाँ उपलब्ध करवाना मुख्य कार्य है तथा किसानों को अपने उत्पादन को अच्छे दामों से बिक्री करने हेतु मंच उपलब्ध हुआ। जहाँ किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त हो सकें। किसानों के उत्पादन में वृद्धि करना, खर्च को कम करना, आमदनी बढ़ाने के उद्देश्य से एफ.पी.ओ. का संचालन किया जा रहा है।

मुख्य उद्देश्य –

- उत्पादन को अच्छे दामों में बिक्री करवाना।
- उत्पादनकर्त्ता व उपभोक्ता के मध्य दूरी कम करना।
- समय पर गुणवत्तायुक्त खाद–बीज उपलब्ध करवाना।
- नवीन तकनीकी एवं सरकारी योजनाओं से जुड़ाव करवाना।

अजमेर जिले के पंचायत समिति भिनाय के निम्न गाँवों में कम्पनियाँ संचालित है–

क्र.सं.	संगठन	गाँव	कार्यरत फसल
1	खायडा किसान समृद्धि प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड	खायडा	मूंग
2	उदयपुर खेडा किसान समृद्धि प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड	उदयपुर खेडा	मूंग
3	भैरुखेडा किसान समृद्धि प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड	भैरुखेडा	कपास
4	रैण किसान समृद्धि प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड	रैण	कपास

किसान समृद्धि प्रोड्यूसर कम्पनी में प्रति माह कृषक बैठक आयोजित की जाती है, जिसमें किसानों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जाती है तथा किसानों के आपसी विचारों का आदान–प्रदान किया जाता है जिससे किसानों को सामूहिक कार्य करने हेतु प्रेरित किया जाता है।

1. **किसान उत्पादक संगठन की बैठक :–** किसान उत्पादक संगठन की बैठक हर माह की जाती है जिससें अपने कार्य की समीक्षा तथा आगामी कार्य योजना तैयार की जाती है।

2. **पी.आई.एम.सी. बैठक :–** किसान समृद्धि प्रोड्युसर कम्पनी लिमिटेड द्वारा किये गये कार्यों की समीक्षा तथा कार्यक्रम का मूल्यांकन किया जाता है जिससे नाबार्ड अधिकारी, कृषि पर्यवेक्षक, संस्थान सचिव तथा किसान संगठन बोर्ड सदस्यों की उपस्थिति रहती है। आगामी त्रैमास में किये जाने वाले कार्यों की कार्य योजना तैयार की जाती है।

3. **सरकारी योजनाओं से जुड़ाव :–** किसानों को कम खर्च कर उनकी आय वृद्धि करने हेतु सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं में लाभ प्राप्त करने हेतु किसानों को जानकारी दी जाती है तथा लाभ प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया जाता है। जिसमें जल बचत हेतु सिंचाई के लिए कम खर्च में उत्पादन प्राप्त करने के लिऐ कम्पनियों के 22 किसानों को (उद्यान विभाग–अजमेर) फव्वारा सेट खरीदवाकर उद्यान विभाग–अजमेर द्वारा 4.62 लाख रुपये की सब्सीडी उपलब्ध करवाई गई। जिससे किसानों ने अपनी फसलों की सिचांई उत्पादन प्राप्त किया।

4. **कम्पनी पदाधिकारियों व बोर्ड सदस्यों का प्रशिक्षण :–** नाबार्ड द्वारा आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण आई.सी.एम. झालाना डूंगरी जयपुर में प्रशिक्षण करवाया गया। जिसमें कम्पनी के कार्यों तथा कम्पनी के पदाधिकारियों की जिम्मेदारियों से अवगत करवाया गया। आर.ओ.सी. को भेजी जानी वाली सभी रिर्पोट के बारे में जानकारी दी गई। कम्पनी व्यापार हेतु लघु व्यापार संघ द्वारा प्रोत्साहन राशि के बारे में अवगत करवाया गया। आर.ओ.सी. से प्रोत्साहन राशि प्राप्त करने के लिए कम्पनी द्वारा पूर्ण की जाने वाले स्तरों के बारे में अवगत करवाया गया।

5. **किसानों को लाभ :–** कम्पनी द्वारा किसानों को गुणवत्ता ईफको खाद तथा दिनकर बीज–जिसमें जी.वी.एस. 15 नवम्बर बीज दिनकर शरीफ मूंग, दिनकर शरीफ उड़द, बीज उपलब्ध करवाया गया। कपास एच.एस. 6 अंकुर बीकानेरी नरमा बीज उपलब्ध करवाया गया।

6. **मिट्टी व पानी की जाँच :–** किसानों द्वारा उपयोग किये जा रहे अनियमित खाद की मात्रा के उपयोग को कम करने के लिये मिट्टी स्वास्थ्यकार्ड बनवाने हेतु किसानों को प्रेरित किया गया जिससे कृषि पर्यवेक्षक के सुझाव अनुसार मिट्टी प्रशिक्षण हेतु नमूने लिये गये तथा जाँच रिर्पोट अनुसार खाद का उपयोग करवाया गया। पानी की जाँच रिर्पोट अनुसार फसल लगाने हेतु किसानों को प्रेरित किया।

7. **कम्पनी शेयर धारक किसान :–** सभी कम्पनियों में किसान शेयर धारक धीरे–धीरे जुड़ रहे है तथा शेयर राशि में वृद्धि हो रही है। जो कम्पनी द्वारा लगाई गई खाद–बीज दुकान से खाद–बीज क्रय कर रहे है।

8. **पानी संग्रहण हेतु फार्म पोन्ड :–** किसानों को अपने उत्पादन की वृद्धि हेतु वर्षा की कमी के कारण उनकी फसल खराब हो जाती है। जिसको बचाने हेतु उद्यान विभाग से सामूहिक फार्म का निर्माण करवाया गया। 5,00,000 सब्सीडी हेतु आवेदन करवाया गया। मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन परियोजना अन्तर्गत कम्पनी कार्यक्षेत्र में 35 फार्म पोन्ड निर्माण हेतु आवेदन करवाये गये जिनका निर्माण होना बाकी हैं। नये सत्र में निर्माण होगा। जिससे कई किसान परिवारों को लाभ मिलेगा।

9. **शैक्षणिक भ्रमण :–** किसानों का एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण किसान संगोष्टी काजरी संस्थान जोधपुर में करवाया गया। जहाँ किसानों नवीन तकनीकि, कृषि उपकरणों व पशुपालन हेतु उन्नत नस्लों के बारे में जानकारी प्राप्त की।

किसान उत्पादक संगठन कार्यक्रम, थांवला (नागौर)
Farmer Producer Organization Programme, Thawala (Nagaur)

ग्रामीण महिला विकास संस्थान द्वारा नागौर जिले के पंचायत रियाबड़ी के ग्राम–कस्बा की ढाणी में किसान उत्पादक संगठन का संचालन किया जा रहा है। नाबार्ड के वित्तिय सहायता व मार्गदर्शन से कम्पनी एक्ट में मार्च 2016 में रजिस्टर्ड करवाया गया। कम्पनी के माध्यम से किसानों की आय वृद्धि करवाने के लिए 500 किसान सदस्यों को कम्पनी से जोडा गया।

मुख्य उद्देश्य :

- किसानों में जागरूकता बढ़ाना।
- किसानों को तकनीकी जानकारी देना।
- समय पर गुणवक्तायुक्त खाद–बीज उपलब्ध करवाना।
- उपयोगकर्त्ता व उत्पादकर्त्ता के मध्य दूरी कम करना।
- किसानों को क्षमतावर्धन करना।
- उत्पादित फसलों की ग्रेडिंग करवाना।

पंचायत समिति–रियाबड़ी के ग्राम कस्बा की ढाणी (थांवला) में निरन्तर एग्रो फुड प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड का संचालन किया जा रहा है। किसान संगठन के सफल संचालन हेतु निम्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

मासिक बैठक :– कम्पनी बोर्ड सदस्यों व शेयर धारको द्वारा मासिक बैठक आयोजित की जाती है। जिसमें कार्यों की समीक्षा तथा आगामी माह की कार्य योजना तैयार की जाती है।

पी.आई.एम.सी. बैठक :– प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग कमेठी द्वारा हर त्रैमास में किये गये कार्यों की मॉनिटरिंग की जाती है। साथ ही आगामी त्रैमास में किये जाने वाले कार्यों के बारे में जानकारी प्राप्त की जाती है। जिसमें नाबार्ड अधिकारी, कृषि पर्यवेक्षक, संस्थान सचिव, कम्पनी बोर्ड सदस्यों की उपस्थिति में कम्पनी सी.ईओ. द्वारा कम्पनी कार्यों से अवगत करवाया जाता है।

वर्मी कम्पोस्ट खाद यूनिट :– कम्पनी द्वारा किसानों को अपने खर्चे कम करने तथा उत्पादन में वृद्धि करने हेतु वर्मी कम्पोस्ट खाद – 100 यूनिटों का निर्माण करवाया गया तथा यूनिट निर्माण हेतु किसानों को कृषि विभाग द्वारा प्रति यूनिट 12000/– रुपये अनुदान उपलब्ध करवाए जाने हेतु आवेदन कराये गये जिनकी सब्सीडी शीघ्र किसान को मिल जायेगी।

खाद बीज दुकान :– शेयरधारकों व अन्य किसानों को समय पर खाद–बीज उपलब्ध करवाया गया है साथ ही स्थानीय क्षैत्र में अच्छा उत्पादन देने वाली फसलों जिसमें – मूंग, मूंगफली के रिसर्च बीजों का भी उपयोग किया गया। जिनका किसानों का अच्छा उत्पादन मिला।

शैक्षिणिक भ्रमण :– किसानों को नवीन जानकारी व तकनीकी जानकारी उपलब्ध करवाने काजरी संस्थान का तीन दिवसीय भ्रमण करवाया गया। जिसमें कृषक मेले में किसानों ने जानकारी प्राप्त की तथा विभिन्न बीजीय किस्मों से अवगत हुए।

स्वयं सहायता समूह डिजिटाईजेशन–ई शक्ति कार्यक्रम
SHG Digitization-E Shakti Programme

पृष्ठभूमि :– ग्रामीण महिला विकास संस्थान–बूबानी, अजमेर के द्वारा महिला स्वयं सहायता समूह कार्यक्रम को संचालित हुए 15 वर्ष हो चुके है। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक की शुरूआत की गई इस परियोजना में 1305 समूह को अजमेर ई शक्ति कार्यक्रम में जोड़ा गया है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समूह व सदस्यों की सम्पूर्ण जानकारी कम्प्यूटरीकृत और ऑनलाईन करना है ताकि समूह या सदस्य को किसी भी सरकारी योजनाओं से जोड़ा जा सके व समूह से जुड़े परिवार का फायदा हो सके। समूह सदस्य की बचत, आंतरिक लेनदेन, बैंक लोन जो कि हर माह में ट्रांजेक्शन होता हैं। यह जानकारी समूह सदस्य के मोबाईल में एस.एम.एस. के जरिये सदस्य को प्राप्त होती है। पूरे समूह के सदस्यों को समूह की जानकारी मिलती रहें।

परियोजना के उद्देश्य :–

- ❖ समूहों का एकीकरण।
- ❖ समूहों को अन्य संस्थाएँ बैंक सरकार से जुड़ाव।
- ❖ संस्थागत रिकोर्ड।
- ❖ समूहों की ग्रेडिंग को आसान करना।
- ❖ समूहों का ऑनलाईन रिकोर्ड।
- ❖ समूहों की आनॅलाईन ऑडिट।
- ❖ पारदर्शिता लाना।
- ❖ बैंक तथा समूह के बीच दूरी को कम करना।
- ❖ समूह सदस्यों को लेन–देन की सम्पूर्ण जानकारी एस.एम.एस. जरिये मिलती है।
- ❖ समूह सभी सदस्यों को जीवन बीमा, पेंशन योजना से जोड़ना।
- ❖ समूहों की ऑनलाईन बैंक लोन फाईल का प्रोसेस करना जिससे समूह को आसानी से बैंक लोन उपलब्ध हो।
- ❖ समूह सरकारी योजनाओं का लाभ समूहों के सभी सदस्यों तक पहुँचाना।

ई शक्ति परियोजना का कार्यक्षेत्र :– ई शक्ति एस.एच.जी. डिजीटाईजेशन परियोजना का संचालन जनवरी, 2018 से ग्रामीण महिला विकास संस्थान–बूबानी, अजमेर द्वारा किया जा रहा है। इस परियोजना को राष्ट्रीय कृषि ग्रामीण विकास बैंक के वित्तीय सहयोग से संचालित किया जा रहा है। यह परियोजना अजमेर जिले के श्रीनगर, सिलोरा, सरवाड़, पीसांगन, भिनाय, केकड़ी, जवाजा, मसूदा व अरांई ब्लॉक में संचालित की जा रही है। इस परियोजना में एक एनीमेटर को 30 समूहों की डाटा एन्ट्री करनी होती हैं। उसके पास 4 जी एन्डरोइड फोन भी नाबार्ड व संस्थान के द्वारा दिया गया है। एक एनीमेटर को 2000/– रूपये डाटा एन्ट्री के व 100/– रुपये मोबाईल डाटा पैक के दिये जाते है। ग्रामीण महिला विकास संस्थान के 1305 महिला समूहों में 43 एनीमेटर्स डाटा एन्ट्री का कार्य करते है। एनीमेटर समूह की बैठक में लेनदेन की सम्पूर्ण जानकारी सॉफ्टवेयर एन्ट्री करते है और प्रत्येक सदस्य की विभिन्न प्रकार की जानकारियाँ जैसै – आधार कार्ड, मोबाईल नम्बर, फोटो, बैंक खाता संख्या, बचत राशि व बैंक से प्राप्त समूह में बैंक लोन आदि की जानकारी ई–शक्ति ऐप में अपलोड करते है। संस्थान कार्यालय से प्रिन्ट लेकर समूह के सदस्यों को देते है व एक कॉपी संस्थान कार्यालय में लाकर जमा करवाते है। इसी के साथ–साथ सरकार द्वारा चलायी जा रही सामाजिक सुरक्षा योजनाओं व अन्य सरकारी योजनाओं से समूह सदस्यों को जोड़ा गया हैं जैसे–प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, माईक्रो इंश्योरेंस आदि। इस वर्ष उपरोक्त सरकारी योजनाओं से सदस्यों का जुड़ाव यह है।

परियोजना की उपलब्धियाँ :–

- ❖ हाथ से लिखने व चेक करने का समापन होना।
- ❖ समूहों को बैंक से जोड़ने में आसानी हुई।
- ❖ बाहरी संस्थाओं के द्वारा समूहों की जाँच होना।
- ❖ समूह सदस्यों में आपसी विश्वास।
- ❖ संस्थान को कार्य करने में आसानी।
- ❖ बैंकों का विश्वास बढ़ाना।
- ❖ महिलाओं की सम्पूर्ण जानकारी ऑनलाईन हो जाना।
- ❖ क्षेत्रिय बैंको को व्यवसाय (बिजनेस) उपलब्ध।
- ❖ समूहों का रिकोर्ड ऑनलाईन होने से पारदर्शिता आना।
- ❖ समूहों का सम्पूर्ण रिकोर्ड कम्प्यूटर व मोबाईल पर उपलब्ध होना।
- ❖ समूहों के सभी सदस्यों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ना व उनके परिवार के सदस्यों को भी सुरक्षा योजना के बारे में जानकारी उपलब्ध करवा कर योजनाओं का लाभ लेने के लिये प्रेरित कर सरकारी योजनाओ से जुड़ाव करना।

महिला स्वयं सहायता समूह कार्यक्रम
Women Self Help Group Programme

ग्रामीण महिला विकास संस्थान–बूबानी, अजमेर के द्वारा सन् 2004 से राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के वित्तिय सहयोग से अजमेर व नागौर जिले में महिला स्वयं सहायता समूह गठन व संचालन किया जा रहा है। नाबार्ड के वित्तिय सहयोग से गठित समूह में महिलाओं को संगठित किया

जाता है। समूह स्तर पर बचत करना सिखाया जाता है जिससे महिलाओं में आत्मविश्वास उत्पन्न हो सकें और महिलाओं की वित्तिय साक्षरता के प्रति जागरूकता बनें। समूह के गठन के छः माह बाद समूह को बैंक से जोड़ा जाता है, जो कि समूह का बैंक में बचत खाता खोला जाता है। महिलाऐं बैंक से जुड़कर लोन लेने–देन के साथ लोन भी ले सकती है। शुरूआत से समूह में महिलाओं को आपसी सहयोग व स्वयं निर्णय लेने के अवसर दिये जाते है। जब नाबार्ड ने संस्थान के साथ महिला स्वयं सहायता समूह गठन की परियोजना शुरू की तब समूह गठन तो हो जाते थे लेकिन बैंक महिला समूह को लोन देने के लिये तैयार नहीं होते थे। संस्थान स्थानीय बैंकों के साथ बहुत अच्छे से तालमेल बैठाकर **100%** समूहों को बैंक से लोन दिलवाने में सफल होती है।

ग्रामीण महिला विकास संस्थान–बूबानी, अजमेर राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के वित्तिय सहयोग से समूह गठन कार्यक्रम संचालन कर रही है। सन् 2004 से अब तक संस्थान ने 2250 महिला स्वयं सहायता समूह गठन अजमेर व नागौर जिले में कर चुकी है। इस परियोजना का सफलतापूर्वक संचालन संस्थान द्वारा किया जा रहा है। वर्तमान में 1600 महिला स्वयं सहायता समूह कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। 1000 अजमेर में व 600 नागौर जिले में संचालित है। नाबार्ड द्वारा गठित अजमेर जिले में समूहों का नाबार्ड के ई–शक्ति ऐप में 1300 समूहों को ऑनलाईन किया जा चुका है। समूह लोन के लिये आवेदन ऑनलाईन कर सकता है।

समूह से जुड़ी महिलाओं को 15 हजार से 75 हजार रूपये बैंक लोन समूह की गारंटी पर मिल जाता है। जिससे महिला अपनी आजिविका को बढाने का कार्य कर सकती है। महिला समूहों का गठन ग्रामीण क्षेत्रों में किया जाता ताकि महिलाऐं आत्मनिर्भर बन सकें। इस प्रकार महिलायें स्वयं सहायता समूह के माध्यम से ग्राम पंचायत, अन्य सरकारी व गैर सरकारी संस्थाओं के सम्पर्क में आने से सामाजिक विकास में भी भागीदारी सुनिश्चित हो रही है। नाबार्ड का मुख्य उद्देश्य समूह गठन करके संगठित करना है। संस्थान उसी उद्देश्य के अनुरूप कार्य कर रही है। संस्थान **ICICI** बैंक के साथ मिलकर महिला स्वयं सहायता समूहों को बैंक लोन दिलवा रही है। **ICICI** बैंक हर माह संस्थान के समूहों को प्रति माह 2 से 3 करोड़ का बैंक लोन देती है। संस्थान के समूहों की **100%** रिकवरी है जो कि समूहों की गुणवत्ता को दर्शाती है।

उद्देश्यें :

- अलग–अलग महिलाओं को एक समूह में संगठित करना।
- महिलाओं को समूह के माध्यम से बैंक से जुड़ाव करना।
- सरकारी व गैर सरकारी संगठनों से जुड़ाव करना
- महिलाओं को स्वरोजगार के प्रति जागरूक करना।
- बाल विवाह व कन्या भ्रूण हत्या को रोकना।
- स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाना।
- ज्यादा से ज्यादा महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना।
- महिलाओं द्वारा बनाये गये उत्पाद को उचित दामों में बाजार में बेचना।
- समूह में बचत करवाना सिखाना।
- महिलाओं के हुनर को निखारना।
- महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना।

समूह ग्रेडिंग :– महिला स्वयं सहायता समूह गठन करने के बाद हर वर्ष समूहों की गुणवत्ता को जाँचने के लिए ग्रेडिंग की जाती है। ग्रेडिंग के बाद समूहों में जो भी खामिया रहती है उसके लिए योजना बनाकर प्रशिक्षण दिया जाता है।

समूह ऑडिट :– संस्थान द्वारा गठित समूहों की हर वर्ष ऑडिट की जाती है और समूहों की वित्तिय लेन–देन को जाँचा जाता है। कहीं किसी प्रकार से लेन–देन में गलती होती है तो उसको सुधारा जाता है ताकि वित्तिय लेन–देन की जानकारी समूहों के सभी सदस्यों को रहती है।

समूह प्रशिक्षण :– नाबार्ड के वित्तिय सहयोग से गठित महिला स्वयं सहायता समूहों के गठन करने के बाद समूह क्षमतावर्धन व संचालन करने के लिये समय–समय पर अलग–अलग प्रशिक्षण दिये जाते है ताकि महिलाओं का विकास हो सकें और जानकारी का आदान–प्रदान हो सकें।

शिविरों का आयोजन :– स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं को संस्थान द्वारा समय–समय पर स्वास्थ्य शिविरों से जोड़कर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा महिला कानूनों से जोड़कर महिलाओं को जानकारी देना। श्रमिक को शिविरों में लाभान्वित करना। हर वर्ष महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन करना जिससे महिलाओं की प्रगति व अच्छे अनुभवों को बताना व महिलाओं का आपस में मिलकर एक–दूसरे से प्रेरण लेना।

रणनीति :–

- महिलाओं को जागरूक करके सरकारी व गैर सरकारी गतिविधियों में ज्यादा सहभागी बनाना।
- आवश्यकता पड़ने पर महिलाओं का आपस में मदद करना।
- बचत में निरन्तरता लाना।
- महिलाओं को तकनीकी साक्षरता देना।
- प्रशिक्षण के माध्यम से क्षमतावर्धन करना।
- बैंको से ऋण पूर्ति करना।
- गाँव, क्षेत्र व महिलाओं का चयन करके समूह गठन करना।
- बैंको से जोड़कर ऋण उपलब्ध कराना।

समूह गठन :– गली मौहल्लें व गाँव में 10 से 20 महिलाओ को गठित करके 1 संगठन का गठन किया जाता है जिससे समूह में सभी महिलाऐं समान स्तर की होती है। समूह में गठित महिलाऐं आपसी सहयोग करती है।

समूह बचत खाता खुलवाना :– नाबार्ड के वित्तिय सहयोग से गठित महिला स्वयं सहायता समूहों का गठन करने के बाद **ICICI** बैंक में समूह का बचत खाता खुलवाया जाता है ताकि समूह का बैंक से जुड़ाव हो सके। बैंक की गतिविधियों के बारे में जानकारी मिल सकें। समूह को ऋण लेने की आवश्यकता हो तब बैंक लोन के लिए समूह आवेदन कर सके। समूहों को लोन दिलवाकर महिलाओं को स्वरोजगार व आयवर्धन गतिविधियों से जोड़ा जाता है जिससे लोन का रिपेमेन्ट समय पर हो सकें। इस तरह महिलाओं को समूह के माध्यम से बैंक से आसानी से लोन मिल जाता है।

राही ट्रकर्स आई हेल्थ कार्यक्रम (साईट सेवर्स)
Rahi Truckers Eye Health Programme (Sight Severs)

पृष्ठभूमि :– राही ट्रकर्स आई हेल्थ कार्यक्रम जून 2018 से साईट सेवर्स, नई दिल्ली व रेबन के वित्तिय व तकनीकी सहयोग से शुरू हुआ। इसी माह में दिनांक 19 व 20 जून 2018 को सारे कार्यकर्त्ताओं का टेबलेट व पोर्टल को चलाने हेतु प्रशिक्षण रखा गया और दिनांक 21 जून 2018 को कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। जिसमें साईट सेवर्स से श्री अमरेश पाण्डे, श्री शेलेन्द्र व सुश्री वरिधि सिंह भी उपस्थित थे। श्री शेलेन्द्र सर के द्वारा टेबलेट की समस्त डाटा एन्ट्री जिसमें विभिन्न होटल व साईट सेवर्स के लामाना सेन्टर (राही दृष्टि केन्द्र) पर आये। ड्राईवरों व क्लीनरों का बेसिक विवरण भरना होता है तथा कैसे साईट सेवर्स के पेल्यूसिड पोर्टल पर क्यू आर कोड जनरेट करना, केम्प जनरेट करना, चश्मो के ऑर्डर व उनकी ड्राईवरों को डिलीवरी दिखाना है यह सब बताया। सभी गतिविधियों का प्रशिक्षण पाने के बाद दिनांक 22.6.2018 को पहला केम्प विजन सेन्टर लामाना में रखा गया और उसके बाद से ही कार्यक्रम निरन्तर प्रगति कर रहा है तथा ज्यादा से ज्यादा ट्रक ड्राइवरों व क्लीनरों को कार्यक्रम के तहत लाभ प्रदान किया जा रहा है। साईट सेवर्स के वित्तिय सहयोग से जो विजन सेन्टर खोला गया है। वह लामाना में एन.एच. रोड़ से 100 मीटर की दूरी पर बना हुआ है जिसमें 5 कार्यकत्ताओं की टीम है एक ओप्टोमेट्रिस्ट, दो सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता, एक सहायक ऑप्टोमेट्रिस्ट व एक लेखाकार है। विजिन सेन्टर में प्रथम टेबल पर ट्रक ड्राईवरों व क्लीनरों का रजिस्ट्रेशन किया जाता है, दूसरी टेबल पर स्क्रीनिंग टेस्ट व तृतीय टेबल पर ऑप्टोमेट्रिस्ट होता है। सब से पहले कम्यूनिटी हेल्थ वर्कर होटल पर आये हुए ड्राईवरों से बात कर उन्हें आँखों की जाँच करवाने हेतु प्रेरित करता है और उन्हें सेन्टर पर भेजता है। टेबल नं. 1 पर ट्रक ड्राईवरों को बैठा कर उनका आई कार्ड बनाया जाता है व उनसे ड्राइविंग लाईसेन्स मांगा जाता है। साथ ही अन्य जानकारी जैसे नाम, उम्र, मोबाईल नम्बर, ड्राईविंग लाईसेन्स, रिन्यूवल की दिनांक, वेतन, उनकी गाड़ी का रूट, जाति, मेडिकल व अन्य बीमा है या नहीं, शराब व सिगरेट पीने की आदत, दूर से उन्हें कैसा दिखता है, मेडिकल जाँच करवाते है या नहीं कभी उनका एक्सीडेन्ट तो नहीं हुआ आदि विभिन्न प्रकार की जानकारी लेते है। उसके बाद टेबल नम्बर 2 पर उनकी आँखों की जाँच की जाती है और उसके बाद उनको ग्रेड दी जाती है। यदि ग्रेड ए मिली होती है तो ड्राईवर पुनः 1 नम्बर टेबल पर जाता है और यदि अन्य ग्रेड मिली होती है तो 3 नम्बर टेबल पर जाता है और उसे कौनसे नम्बर का चश्मा लगेगा यहा जाँच किया जाता है। यदि उसे पास की नजर की परेशानी होती है तो उसे उसी वक्त चश्मा दिया जाता है और यदि दूर का या बाय फोकल आता है तो उस चश्में का ऑर्डर दिया जाता है जो कि टेबल नम्बर 1 पर होता है।

कार्यक्रम उद्देश्य :–

1. राही ट्रकर्स आई हेल्थ कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कार्यक्रम के नाम से ही स्पष्ट है। इसका मुख्य उद्देश्य ट्रक ड्राईवर्स, क्लीनर्स की आँखों की जाँच कर उन्हें चश्मा वितरण करना, आँखों को सुरक्षित रखने के लिये समय–समय पर उनकी जाँच करवाना नियमित रुप से आँखों को ठण्डे साफ जल से धोना

चाहिए व अन्य जानकारी उपलब्ध करवाना जिससे वे अपनी आँखों का बेहतर तरीके से ध्यान रख सकें।

2. आँखों की देखभाल करने के साथ–साथ अपनी व अपने परिवार की सम्पूर्ण सहेत का ध्यान रखने के लिये प्रेरित करना है। सड़क दुर्घटना को कम करना।
3. समय न मिल पाने के कारण जो ट्रक ड्राईवर व क्लीनर आँखों की जाँच नहीं करवा पाते है उन्हें उनके रास्ते में ही आँखों की जाँच का केन्द्र उपलब्ध करवाना।
4. ट्रक ड्राईवरों व क्लीनरों को उनके स्वास्थ्य व बेहतरीन जीवन जीने के लिए प्रेरित करना।
5. ट्रक ड्राईवर्स तथा उनके परिवार को सुरक्षित भविष्य दिलवाना।
6. ट्रक ड्राईवर्स व क्लीनरों को आँखों की जाँच के लिए प्रेरित करना।
7. कम आय के कारण ट्रक ड्राईवर व क्लीनर अपनी आँखों की जाँच नहीं करवा पाते है इस समस्या को दूर करने के लिए उन्हें इस कार्यक्रम के माध्यम से उनके कार्यस्थल पर आँखों की जाँच की सेवाये व चश्में आसानी से उपलब्ध करवाना।
8. जानकारी के अभाव में वे अपनी आँखों में जलन होने, पानी आने व अन्य समस्या पर ध्यान न देकर इसे सामान्य समस्या या आँखें की थाकावट का कारण समझते है ऐसी स्थिति में उन्हें आँखें कमजोर होने व समय के साथ–साथ आँखों की रोशनी कम हो जाती है। इसकी जानकारी देना जिससे व अपनी समस्या के प्रति जागरूक हो और इस ओर ध्यान दें।
9. उन्हें अपनी सेहत की महत्ता समझाना व बताना कि स्वास्थ्य ही मनुष्य के जीवन का सबसे बड़ा धन है। अगर हम शारीरिक रुप से स्वस्थ रहेंगे तो ही मानसिक व अन्य रुप से स्वस्थ व खुश रहेंगे, जिससे हर कार्य अच्छे से कर पाएंगें। अपने जीवन के लक्ष्य प्राप्त करेंगे व अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर पायेगें। अतः स्वस्थ रहना आवश्यक है।

गतिविधियाँ :–

ट्रक ड्राईवरों व क्लीनरों की आँखों की जाँच :– कार्यक्रम के अन्तर्गत विजन सेन्टर (लामाना), विभिन्न होटल जैसे जगदम्बा, लाडी, राज चिडिया, ट्रांसपोर्ट नगर, एच.पी. गैस प्लांट व बी.पी. गैस प्लांट पर आँखें जाँचने हेतु शिविर आयोजित किया जाता है। जिसमें माह जून से लेकर माह मार्च 2019 तक लगभग 4000 ट्रक ड्राइवरों व क्लीनरों की आँखें जाँची जाती है।

चश्मों का वितरण :– ट्रक ड्राईवरों व क्लीनरों की आँखों की जाँच करने के बाद यदि उन्हें देखने में परेशानी होती है तो आँखों की जाँच के अनुसार समस्या का पता कर उन्हें पास व दूर के चश्में वितरीत किये जाते है। जिनको पास की नजर में परेशानी होती है उन्हें पास की नजर का चश्मा उसी वक्त दे दिया जाता है और जिन्हें दूर की नजर में परेशानी होती है उनके लिए चश्मा ऑर्डर किया जाता है। जो एक सप्ताह बाद आ जाता है और ट्रक ड्राईवरों के वापस आने पर उन्हें दे दिया जाता है। माह जून से लेकर माह मार्च तक 1587 चश्में वितरीत किये गये।

जागरूकता फैलाना :– राही ट्रकर्स आई हेल्थ कार्यक्रम के द्वारा सभी ट्रक ड्राईवरों व क्लीनरों में जीवन बीमा, एक्सीडेण्ट बीमा करवाने के साथ ही समय–समय पर बी.पी., शुगर चेक करवाने, मासिक स्वास्थ्य

जाँच, आँखों की जाँच करवाने, पौष्टिक आहार खाने व काम के साथ–साथ अपनी सेहत को भी महत्व देना चाहिए इत्यादि के बारे में जागरूकता फैलायी जाती है।

स्वास्थ्य शिविर का आयोजन :– राही ट्रकर्स आई हेल्थ कार्यक्रम अन्तर्गत हमारे हंस मोबाईल मेडिकल सर्विसेज कार्यक्रम के द्वारा हेल्थ केम्प आयोजित किये गये जिसमें ट्रक ड्राईवरों व क्लीनरों के स्वास्थ्य की जाँच की गई व एक ट्रक ड्राईवर का एक्सीडेन्ट होने पर उसे घर जाकर पट्टी की तथा इसी प्रकार ड्राईवरों को मोबाईल मेडिकल यूनिट से जोड़ा जा रहा है एस.आर.एच. काउन्सलिंग व एच.आई.वी. टेस्ट के लिये भी केम्प रखा गया जिसमें ट्रक ड्राईवरों को हमारे टारगेट इन्टरवेन्शन माईग्रेन्ट प्रोग्राम से जोड़ा गया।

प्रचार प्रसार कर ट्रक ड्राइवरों व क्लीनरों को आँखों की जाँच के लिए प्रेरित करना :– राही ट्रकर्स आई हेल्थ कार्यक्रम अन्तर्गत पेम्पलेट बांट कर बेनर लगाकर प्रचार–प्रसार किया जाता है तथा ज्यादा से ज्यादा ड्राईवरों को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

उपलब्धियाँ :– इस कार्यक्रम के द्वारा विजन सेन्टर व विभिन्न होटलों पर केम्प लगाया जाता है जिसमें विजन सेन्टर पर प्रति दिन लगभग 12 व होटल पर प्रति दिन लगभग 55 ट्रक ड्राईवरों व क्लीनरों की आँखों की जाँच की जाती है। आँखों की जाँच के केम्प राज चिडिया, लाडी होटल, ट्रांसपोर्ट नगर, एच.पी. गेस प्लांट, बी.पी. गैस प्लांट आदि जगहों पर लगाये जाते है। वर्षभर में संस्थान द्वारा लगभग 4000 ट्रक ड्राइवरों तथा क्लीनरों की जाँच की गयी जिसमें से 1587 ट्रक ड्राइवरों तथा क्लीनरों को चश्मा वितरीत किये गये।

ट्रकर्स कम्यूनिटी लाईवलीहुड स्ट्रैन्थनिंग कार्यक्रम
Truckers Community Livelihood Strengthening Programme

पृष्ठभूमि :– दिनांक 21.04.2018 को श्रीनगर हाईवे पर चोलामण्डलम व अरावली के वित्तिय सहयोग से ग्रामीण महिला विकास संस्थान के द्वारा आयोजित ट्रक चालक के स्वास्थ्य शिविर केम्प का उद्घाटन किया गया जिससे श्रीनगर, संसदीय सचिव सुरेश सिंह रावत ने कहा कि बेहतर सेहत रखने के लिए दिनचर्या सुधारनी होगी। स्वास्थ्य के प्रति हमें जागरूक रहना होगा। राज्य सरकार कई तरह के अभियान चलाकर लोगों को चिकित्सा सेवाये प्रदान कर रही है। साथ में कई स्वयं सेवी संस्थायें भी सक्रिय है। संस्थान सचिव शंकरसिंह रावत ने कहा कि वाहन चालको को समय–समय पर स्वास्थ्य जाँच करानी चाहिए। ट्रक, ट्रेलर व बस चालकों के सामने चौकन्ना रहना, यातायात नियमों का पालन, भूख–प्यास, समय पर गंतव्य स्थान पहुँचने समेत कई तह के दबाव होते है। इन सब के बीच संयमित रहकर बिना तनाव के भारी वाहन चलाना किसी चुनौती से कम नहीं है। शिविर के दौरान करीब 3000 ट्रक चालकों के स्वास्थ्य की जाँच की गई। कार्यक्रम कौशलेश माहेश्वरी कवितायल ट्रस्ट, विवेक निर्भल चोलामण्डलम, बी.बी. खरबन्दा जिला विकास प्रबन्धन नाबार्ड, वरूण शर्मा, अम्भुज किशोर प्रतिनिधि अरावली ने भी विचार व्यक्त किए। अन्त में संस्थान सचिव शंकर सिंह रावत ने सभी का आभार व्यक्त किया। ग्राम सनोद के

सरपंच द्वारा सूचना मिली कि हमारे गाँव में 450 से 500 ट्रक व ट्रोले है तथा लगभग 95 प्रतिशत ट्रक ड्राईवर है। ग्राम हाथीपट्टा, रामपुरा, देराठु, नसीराबाद व जिलावडा में लगभग 90 से 95 प्रतिशत लोग ड्राईवर है। विभिन्न कार्यक्रम की गतिविधियों के दौरान यह भी पता चला कि ग्राम जिलावडा में 7 से 10 ट्रक चोलामण्डलम से फाईनेन्स है और ग्राम सनोद में लगभग 35 से 40 ट्रक चोलामण्डलम से फाईनेन्स है व चोलामण्डलम को भली भाँति जानते है। आने वाले दिनों में ग्राम रामपुरा, देराठू, नसीराबाद व हाथीपट्टा में केम्प आयोजित किये जायेंगे।

कार्यक्रम उद्देश्य :–

1. रोजाना हो रहे सड़क दुर्घटनाओं को कम करना।
2. समय न मिल पाने के कारण ट्रक ड्राईवरों व क्लीनर आँखों की जाँच नहीं करवा पाते है उन्हें उनके रास्ते में ही आँखों की जाँच का केन्द्र उपलब्ध करवाना।
3. ट्रक ड्राईवरों व क्लीनरों को उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना व बेहतरीन जीवन जीने के लिए प्रेरित करना।
4. ट्रक ड्राईवरों व क्लीनरों को आँखों की जाँच के लिए प्रेरित करना।
5. कम आय के कारण ट्रक ड्राईवर व क्लीनर अपनी आँखों की जाँच करवा पाते है। इस समस्या को दूर करने के लिए उन्हें इस कार्यक्रम के माध्यम से उनके कार्यस्थल पर आँखों की जाँच की सेवायें व चश्में आसानी से उपलब्ध करवाना।
6. ट्रक ड्राईवर्स व क्लीनर्स को अपनी आँखों की जाँच करवाने के साथ–साथ अपने परिवार के सदस्यों को भी उनकी आँखो की देखभाल करने के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित करना।
7. वे लोग अपनी आँखों में जलन होने, पानी आने, कम दिखाई देना व अन्य समस्याओं पर ध्यान न देना इन समस्याओं को सामान्य समस्या समझना और जानकारी के अभाव में अपनी आँखों पर ध्यान नहीं देते है। इसलिए उन्हें उनकी आँखों के प्रति जागरूक करने के लिए आवश्यक जानकारी दी गयी। आँखों की रोशनी कम होने पर ये सभी समस्याएँ होती है व इससे बचाव करना आवश्यक है तथा समय पर उपचार हेतु जागरूक किया गया।
8. आँखो से सम्बन्धित समस्या दूर करने के लिए उन्हें आसान उपाय बताना जैसे–पौष्टिक आहार लेना, समय–समय पर आँखों की जाँच करवाना, कम रोशनी में काम न करना समय पर सही उपचार लेना आदि जिससे वे अपनी आँखों की देखभाल अच्छे से कर सके।
9. उन्हें स्वस्थ रहने के फायदे बताना तथा आँखों के अतिरिक्त सरकार द्वारा चलाई जा रही अन्य परियोजना के माध्यम से अन्य स्वास्थ्य सम्बन्धित समस्याओं का भी समय पर उपचार करवाने व स्वस्थ रहने के लिए प्रेरित करना।

कार्यक्रम गतिविधयाँ :– संस्था द्वारा दिनांक 05.05.2018 को जिलावडा में केम्प लगाया जिसमें 63 ड्राईवर व सहायक की आँखें जाँच की गई व 37 को चश्मा वितरीत किया गया। दिनांक 07.05.2018 को ग्राम सनोद में केम्प आयोजित किया गया जिसमें 83 ड्राईवरों व क्लीनर की आँखें जाँची गई व 39 को चश्मा वितरीत किया गया।

प्रचार प्रसार कर ट्रक ड्राइवरों व क्लीनरों को आँखों की जाँच के लिए प्रेरित करना :– ट्रकर्स कम्यूनिटी लाइवलीवुड स्ट्रेन्थनिंग कार्यक्रम अन्तर्गत पेम्पलेट बांट कर बेनर लगाकर प्रचार–प्रसार किया जाता है तथा ज्यादा से ज्यादा ड्राईवरों को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

उपलब्धियाँ :– इस कार्यक्रम के द्वारा दिनांक 21 अप्रैल 2018 से 27 मई 2018 तक कुल 33 केम्प आयोजित किये गये। जिसमें 2500 ड्राईवर व क्लीनर की आँखों की जाँच कर 1249 ड्राईवर व क्लीनर को चश्मा वितरीत किया गया।

ट्रक ड्राइवरों व क्लीनरों की आँखों की जाँच :– कार्यक्रम के अर्न्तगत विभिन्न होटल जैसे जगदम्बा, लाडी, राज चिडिया, न्यू चौधरी, न्यू सीकर शेकलावाली, न्यू गणपति, संगम, विश्राम बाडी, न्यू चौधरी व श्री नगर पेट्रोल पम्प नौलखा रोड़ श्री नगर, नसीराबाद पुलिया के पास सोनू की दुकान, श्री बालाजी पेट्रोल पम्प, दिलवाड़ा चौराहा, विजयवर्गीया पेट्रोल पम्प, जिलावाडा श्रीनगर, सनोद नसीराबाद, भिनाय, खायडा, बांदनवाड़ा, बुबानी, दांता, ट्रांसपोई नगर, एच.पी. गैस प्लांट व बी.पी. गैस प्लांट पर आँखे जाँचने हेतु दिनांक 21.4.2018 से 27.05.2018 तक शिविर आयोजित किये गये। जिसमें लगभग 2500 ट्रक ड्राईवरों व क्लीनरों की आँखे जाँची गयी।

चश्मों का वितरण :– ट्रक ड्राईवरों व क्लीनरों की आँखों की जाँच करने के बाद यदि उन्हें देखने में परेशानी होती तो आँखों की जाँच के अनुसार समस्या का पता कर उन्हें पास व दूर के चश्में वितरीत किये गये जिनको पास की नजर में परेशानी होती है उन्हें पास की नजर का चश्मा उसी वक्त दे दिया जाता था और जिन्हें दूर की नजर में परेशानी होती है उनके लिए चश्मा ऑर्डर किया जाता था। जो एक सप्ताह बाद आ जाता है और ट्रक ड्राईवरों के वापस आने पर उन्हें दे दिया जाता है। इस कार्यक्रम में 1249 चश्में वितरीत किये गये।

जागरूकता फैलाना :– ट्रकर्स कम्यूनिटी लाइवलीवुड स्ट्रेन्थनिंग कार्यक्रम के द्वारा सभी ट्रक ड्राईवरों व क्लीनरों के जीवन बीमा, एक्सीडेन्ट बीमा करवाने के साथ ही समय–समय पर बी.पी., शुगर चेक करवाने, मासिक स्वास्थ्य जाँच, आँखों की जाँच करवाने, पौष्टिक आहार खाने व काम के साथ–साथ अपनी सेहन को भी महत्वता देनी चाहिए इत्यादि के बारे में जागरूकता फैलायी गयी।

जल अभियान (जलदूत) कार्यक्रम–नागौर
Jal Abhiyan (Jaldoot) Programme-Nagaur

ग्रामीण महिला विकास संस्थान द्वारा पूर्व में दिनांक 01 मई 2017 से 30 जून 2017 में जल दूत के माध्यम से जल अभियान नागौर जिले के 250 गांवों में चलाया गया जिसमें ग्राम स्वयं सेवकों (कृषि जलदूतों) ने वर्षा जल संचयन, कुशल जल उपयोग, भूजल पुनर्भरण और एकीकृत कृषि प्रणालियों के विभिन्न तरीकों के बारे में जागरूकता फैलायी। यह कार्यक्रम नाबार्ड द्वारा विश्व जल दिवस के अवसर पर दिनांक 22 मार्च 2017 को लगभग 1,00,000 गाँवों को चयनित कर चलाया गया जिन गाँवों में भूजल का अत्याधिक

दोहन किया जाता है। जल दूतो को शुरूआत में जल दूत एप व जागरूकता हेतु प्रशिक्षण देकर यह कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया व नागौर की मेड़ता, परबतसर व रियाबडी पंचायत समिति के क्रमशः 100, 75 व 75 गाँवों में जागरूकता फैला कर रिर्पोट तैयार की गयी। इस अभियान के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार है।

- जागरूकता फैलाना व समुदाय को प्रेरित करना।
- किसानों की आय में वृद्धि करना।
- सरकारी विभागों को पानी की तकनीकों पर निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करना।
- पानी की कमी का प्रबन्धन करना।
- जलवायु परिवर्तन से बचाव हेतु किसानों की क्षमता को बढ़ाना।
- उपलब्ध तकनीकों को काम में लेना तथा उत्पादन को बढाना।

गतिविधियाँ :–

- इस प्रोग्राम द्वारा जल दूत ने गांव वालों से मिलकर पोस्टर, नुक्कड़ नाटक, श्रमदान शिविर, मानचित्र, विडियो व पानी को बचाने की शपथ दिलवाकर जागरूकता फैलायी। ये जल दूत उन्हीं गाँवों में से चुने गये जो अपने क्षेत्र की समस्याओं को अच्छी तरह जानते थे।
- इसमें जल संवाद भी किया गया जिसमें समूह में चर्चा कर पानी से सम्बन्धित मुद्दों, समस्याओं व उनके समाधान पर बातचीत की गयी।
- इसमें गाँव वालो को सरकार द्वारा पानी व कृषि को लेकर चलाये जाने वाले अभियान व योजनाओं के बारे में बताया।
- लक्षित गाँवों में मानचित्र बनाने की गतिविधी भी की गई जिससे गाँवों में पानी की संरचना, पानी की स्थिती व उनके नवीनीकरण के बारे में पता कर पानी की समस्या से बचा जा सकें। इन सब गतिविधियों से जो सूचना मिली उन्हें मोबाईल ऐप में डाला गया जा कि नाबार्ड द्वारा विकसित था। इसका मुख्य उद्देश्य कृषि के लिए पानी उपलब्ध करवाना था जो कि सरकारी योजनाओं के माध्यम से पानी का संरक्षण कर किया गया।

कार्यक्रम के प्रभाव :–

- ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के जीवन स्तर में सुधार हुआ।
- पानी के संरक्षण से किसानों की आय में वृद्धि हुई।
- सरकारी योजनाओं को लेकर ग्रामवासी जागरूक हुए।
- उपलब्ध तकनीकों के उपयोग को बढावा मिला।
- किसानों को एकीकृत कृषि प्रणालियों के विभिन्न तरीकों के बारे में जानकारी मिली।
- पानी का उपयोग कृषि के उत्पादन को बढ़ाने के लिए करने पर जोर दिया गया। जिससे उत्पादन में वृद्धि हुई।
- ग्रामीणों का बैंको तथा सरकारी विभागों से जुड़ाव हुआ।

तकनीकी साक्षरता कार्यक्रम
Internet Sathi Programme

पृष्ठभूमि :– गूगल व टाटा ट्रस्ट के द्वारा गठित केन्द्र संस्थान के वित्तीय सहयोग से और सेंटर फॉर माईक्रोफाईनेन्स के मार्गदर्शन में तकनीकी साक्षरता कार्यक्रम की शुरूआत मार्च, 2019 से ग्रामीण महिला विकास संस्थान के द्वारा की गई। इस कार्यक्रम का संचालन करने का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को तकनीकी रुप से साक्षर करना और देश–विदेश की ताजा खबरों से रूबरू करवाना है ताकि ग्रामीण क्षेत्र में रह रही महिलाओं को मोबाईल के माध्यम से विभिन्न जानकारी देना। संस्थान ने श्रीनगर पंचायत समिति के 45 राजस्व गाँवों में 15 साथी को लगाया गया है। प्रत्येक साथी के द्वारा 6 माह में तीन गाँवो में लगभग 700 महिलाओं को तकनीकी साक्षर करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रत्येक साथी को दो मोबाईल फोन संस्थान के द्वारा दिये गये है ताकि फिल्ड में जाकर महिलाओं को मोबाईल की जानकारी देकर मोबाईल चलाना सिखना, इन्टरनेट पर विभिन्न जानकारी प्राप्त करना।

तकनीकी साक्षरता के लाभ :–

- ❖ महिला साथ को रोजगार।
- ❖ ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं में आत्मविश्वास।
- ❖ देश–विदेश की ताजा खबरों की जानकारी
- ❖ महिलाओं के विचारों का समावेश।
- ❖ स्वरोजगार के कार्यों की जानकारी।
- ❖ महिलाओं की मोबाईल व तकनीकी तक पहुँच।
- ❖ महिलाओं के परिवार में तकनीकी साक्षरता।
- ❖ महिला सशक्तिकरण।

GMVS को मान सम्मान, उपलब्धियाँ शानदार

अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्राप्त सम्मान–

- ❖ अन्तर्राष्ट्रीय समरसता मंच द्वारा 01 मई, 2018 को वर्ष 2017–18 में शिक्षा, स्वास्थ्य महिला सशक्तिकरण व पर्यावरण के क्षेत्र में प्रशंसनीय उपलब्धियाँ प्राप्त करने हेतु कर्म श्री अवार्ड से सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय स्तर पर प्राप्त सम्मान–

- ❖ फ्रेन्डशिप फोरम के द्वारा दिनांक 7 मई 2019 को वर्ष 2019–20 में असामान्य उपलब्धियों व शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्र को सेवायें प्रदान करने हेतु सरदार वल्लभ भाई पटेल व राष्ट्रीय ग्लोरी अवार्ड से सम्मानित किया गया।
- ❖ द् इंसटिट्यूट ऑफ ग्लोबल ब्रदरहुड के द्वारा 17 नवम्बर 2017 को वर्ष 2017–18 में असामान्य उपलब्धियों और विशिष्ट व उत्कृष्ट कार्य करने हेतु स्पार्कलिंग इण्डियन अवार्ड व इण्डियन गोल्डन अवार्ड से सम्मानित किया गया।

- फ्रेन्डशिप फॉरम के द्वारा दिनांक 14 मई 2017 को असामान्य उपलब्धियों हेतु मदर टेरेसा ग्लोबल अवार्ड व राइजिंग सन ऑफ इण्डिया अवार्ड से सम्मानित किया गया।
- एक्सेज डवलपमेंट सर्विसेज, एक्सेज असिस्ट और एच.एस.बी.सी. इण्डिया, नई दिल्ली द्वारा 8 दिसम्बर 2015 में स्वयं सहायता समूह की लघुवित्त के क्षेत्र में योगदान हेतु माईक्रो फाईनेन्स इण्डिया अवार्ड व एक लाख रूपये नगद देकर सम्मानित किया।
- फ्रेन्डशिप फॉरम, नई दिल्ली द्वारा 9 जून 2016 में सामाजिक विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु राष्ट्रीय स्तरीय बेस्ट गॉल्डन पर्सन्लटी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- अर्न्तराष्ट्रीय शिक्षा व प्रबन्धन संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 6 अप्रैल 2016 को शिक्षा के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि हेतु राष्ट्रीय स्तरीय ज्वेल ऑफ इण्डिया पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र के द्वारा सम्मानित।
- फाउन्डेशन फॉर एक्सिलरेटेड कम्यूनिटी एमपॉवरमेन्ट, नई दिल्ली द्वारा 28 अप्रैल 2014 में राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था, सामाजिक विकास और एस.एच.जी. लोन व बैंक लिंकेज में सराहनीय योगदान के लिए राष्ट्रीय जन सेवा अवार्ड से सम्मान प्राप्त।
- फाउन्डेशन फॉर एक्सिलरेटेड मास एमपॉवरमेन्ट द्वारा 13 दिसम्बर 2015 में राष्ट्रीय आर्थिक व सामाजिक विकास में सराहनीय योगदान देने हेतु फेम एक्सीलेन्स अवार्ड से सम्मानित।
- अलमा, यूनाइटेड किंगडम द्वारा 22 फरवरी 2015 में महिला साक्षरता, बालश्रमिक अधिकार, स्वास्थ्य व महिला सशक्तिकरण के द्वारा सामाजिक व आर्थिक श्रेत्र में असीम योगदान देने हेतु राष्ट्रीय स्तर पर नेशनल एक्सीलेन्स अवार्ड से सम्मानित।
- आई.सी.आई.सी.आई. बैंक, मुम्बई से 25 मई 2013 में स्वयं सहायता समूह बैंक लिंकेज व ऋण उपलब्ध कार्यान्वयन निष्पादन में महत्वपूर्ण योगदान एवं प्रशंसनीय उपलब्धियों हेतु प्रशंसा पत्र व स्मृति चिन्ह से सम्मानित।
- इकोनोमिक डवलपमेन्ट फॉरम, नई दिल्ली द्वारा 11 अप्रैल 2013 में महिला सशक्तिकरण व आजीविका गतिविधि द्वारा सामाजिक सेवा का कार्य करने हेतु राष्ट्रीय स्तर पर ग्लोबल अचीवर्स अवार्ड से सम्मानित।

राज्य स्तर पर प्राप्त सम्मान–

- राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के द्वारा 7 मार्च 2019 को वर्ष 2017–18 में स्वयं सहायता समूह बैंक से सहबद्धता कार्यक्रम के अर्न्तगत उत्कृष्ट कार्य निष्पादन करने हेतु गैर सरकारी संस्थान वर्ग में राज्य स्तरीय पुरूस्कार से सम्मानित किया गया।
- राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के द्वारा 12 जुलाई 2017 को वर्ष 2017–18 में स्वयं सहायता समूह बैंक लिंकेज कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु प्रथम पद पर स्वयं सहायता समूह बैंक लिंकेज अवार्ड से सम्मानित किया गया।
- नाबार्ड, जयपुर द्वारा 9 मार्च 2016 में स्वयं सहायता समूह बैंक लिंकेज कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने के लिए राज्य स्तरीय स्वयं सहायता समूह बैंक लिंकेज पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र से नवाजा।

- नाबार्ड, जयपुर के द्वारा 27 अप्रैल 2012 में राजस्थान में स्वयं सहायता समूह बैंक लिंकेज कार्यक्रम के अन्तर्गत उत्कृष्ट कार्य निष्पादन हेतु राज्य स्तरीय क्रेडिट लिंकेज वर्ग में द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित।
- इण्डिया इन्टरनेशनल फ्रेन्डशिप सोसायटी, नई दिल्ली से 29 अगस्त 2012 में बालश्रम उन्मूलन, पर्यावरण व स्वास्थ्य आदि के क्षेत्र में सेवाओं हेतु राष्ट्रीय स्तरीय राजीव गाँधी एक्सीलेन्स अवार्ड से सम्मान प्राप्त।
- इन्टीग्रेटेड काउन्सिल फॉर सोशियोइकोनोमिक प्रोग्रेस, बेंगलोर द्वारा 25 नवम्बर 2012 में शिक्षा, स्वास्थ्य व आजिविका संवर्धन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में प्रशंसनीय सेवा व सर्वश्रेष्ठ कार्य हेतु राष्ट्रीय स्तरीय मदर टेरेसा अवार्ड से सम्मानित।
- फ्रेंडशिप फॉरम के द्वारा दिनांक 28 अगस्त 2016 को शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में असामान्य उपलब्धियों हेतु भारत निर्माण अवार्ड से सम्मानित।
- ग्लोबल ब्रदरहुड फॉरम के द्वारा दिनांक 30 अगस्त 2016 को प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन व महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में असामान्य उपब्धियों हेतु ग्लोबल अवार्ड से सम्मानित।

जिला स्तर पर प्राप्त सम्मान–

- जिला प्रशासन, अजमेर के द्वारा 15 अगस्त 2018 को स्वाधीनता दिवस समारोह–2018 में पिछले 21 वर्षों से शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, आजिवीका संवर्धन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन पर सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।
- उत्सव मंच अजमेर के द्वारा राजस्थान दिवस 2018 के उपलक्ष पर 29 मार्च 2018 को निष्काम सेवा, कर्तव्य निष्ठा, दृढ़ संकल्प, लगन, त्याग एवं समर्पित भावना से सामाजिक कार्य करने हेतु सम्मान पत्र से सम्मानित किया गया।
- पुष्कर फेयर डवलपमेन्ट समिति के द्वारा 04 नवम्बर 2017 को वर्ष 2017–18 में पुष्कर मेले में पाँच दिवसीय विकास प्रदर्शनी में प्रथम स्थान आने पर प्रथम पद अवार्ड से सम्मानित किया गया।
- जिला परिषद् अजमेर के द्वारा 2017 को वर्ष 17–18 में शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण व जल संरक्षण के क्षेत्र में बेहतर उपल्बिधयों व सेवाओं हेतु प्रंशसा पत्र से सम्मानित किया।
- नेहरू युवा केन्द्र, अजमेर द्वारा 12 जनवरी 1997 को राष्ट्रीय युवा दिवस पर ग्रामीण विकास हेतु जिलास्तरीय प्रशंसा पत्र व 500 सौ रूपये नगद सम्मानित।
- उपखण्ड किशनगढ़ जिला अजमेर के द्वारा 15 अगस्त 2013 में शिक्षा, स्वास्थ्य व जल संरक्षण योजना में बेहतर कार्य प्रस्तुत करने के लिए स्वतंत्रता दिवस पर जिला स्तरीय प्रशंसा प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह से सम्मानित।
- जिला कलक्टर, अजमेर द्वारा 26 जनवरी गणतंत्र दिवस 2013 में शिक्षा, स्वास्थ्य, आपदा प्रबन्धन, बाल अधिकार, महिला सशक्तिकरण एवं लघुवित्त पर राजस्थान में प्रशंसापूर्ण कार्य कर सामाजिकता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र से सम्मानित।
- फॉरेस्ट डिपार्टमेन्ट अजमेर के द्वारा 29 अप्रैल 2010 में वन विकास व वन्य जीव संरक्षण के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने के लिए जिला स्तरीय फॉरेस्ट डवलपमेन्ट एण्ड प्रोटेक्शन पुरस्कार व पाँच सौ

रूपये नगद से सम्मान प्राप्त किया।

- ❖ रावत पब्लिक शिक्षण संस्थान द्वारा 26 जनवरी 2016 में ग्रामीण आर्थिक व सामाजिक विकास में बेहतर योगदान हेतु स्मृति चिन्ह।

सहयोगी संस्थाएँ

1. द् हंस फाउण्डेशन, नई दिल्ली।
2. नाबार्ड, जयपुर।
3. अरावली–जयपुर।
4. सेन्टर फॉर माईक्रो फाईनेन्स, जयपुर।
5. चोलामण्डल–तमिलनाडु (चेन्नई)।
6. साईट सेवर्स, नई दिल्ली।
7. सर रतन टाटा ट्रस्ट–मुम्बई।
8. केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड, जयपुर
9. भारतीय जीवन बीमा निगम, अजमेर
10. राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान, जयपुर
11. टाटा ए.आई.ए. सी.एस.आर.
12. आई.सी.आई.सी.आई. बैंक, जयपुर
13. एच.एल.एल. लाईफ केयर लिमिटेड–नोयडा
14. राजस्थान स्टेट एड्स कंट्रोल सोसायटी, जयपुर
15. मिनाक्षी मिशन हॉस्पिटल और रिसर्च सेन्टर (विटामिन ऐन्जल) तमिलनाडु

संस्थान की वर्तमान कार्यकारिणी

क्र.सं.	पदाधिकारी का नाम	पद
1.	श्री अनिल कुमार माथुर	अध्यक्ष
2.	श्री अनिरूद्ध विजयवर्गीय	उपाध्यक्ष
3.	श्री शंकर सिंह रावत	सचिव
4.	श्री शम्भू सिंह रावत	कोषाध्यक्ष
5.	श्री मनोज शर्मा	कार्यकारिणी सदस्य
6.	श्रीमती रतना देवी	कार्यकारिणी सदस्य
7.	श्री ब्रिजेश कुमार अग्रवाल	कार्यकारिणी सदस्य
8.	श्रीमती स्वाति शर्मा	कार्यकारिणी सदस्य
9.	श्रीमती कविता जैन	कार्यकारिणी सदस्य

GRAMIN MAHILA VIKAS SANSTHAN (GMVS)

Organizational Structure

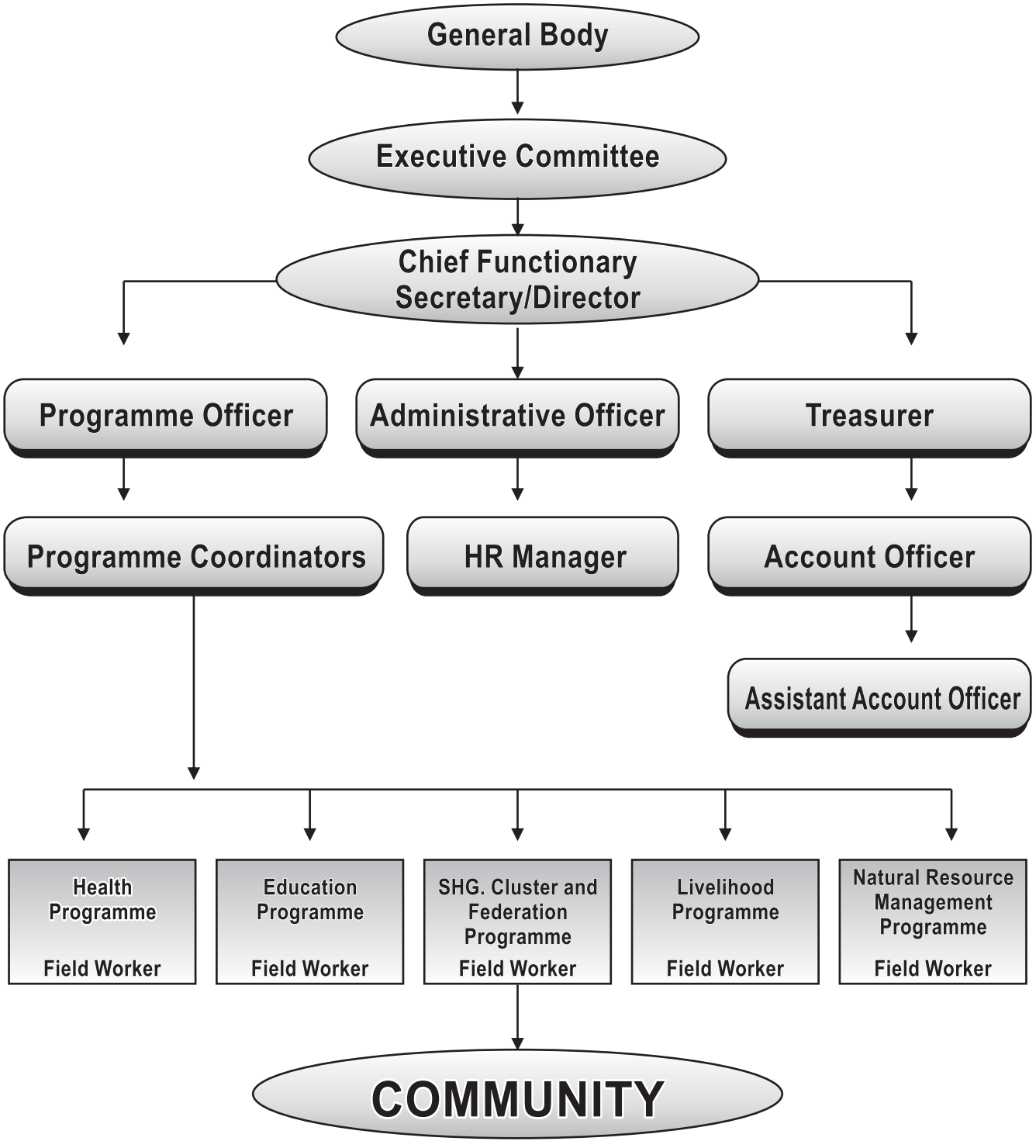

GMVS

Gramin Mahila Vikas Sansthan

ABRIDGED INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDING 31/03/2019

EXPENDITURE	AMOUNT ₹	INCOME	AMOUNT ₹
To Project Expences:		By Grant -Received :-	
HANS Foundation	3705976	The Hans Foundation	3707768
Nabard Exp.	2808208	ICICI-Project	3340633
T.I.	1821425	NABARD Program	3272047
Rahi Trcukers Project Exp.	915042	TI Project	1796767
Other Project Expenses(Contribution)	1762312	Other Grant	1761882
Other Project Expenses	851125	By Interest	20959
To Administrative Expenses	2197108	By Contribution & Other Income	695339
To Audit Fees	70000		
To Depreciation	222777		
To Excess of Invoice Over Exp.	241422		
Total	1,45,95,395	Total	1,45,95,395

In terms of our Audit Report even date attached.

For S S Verma & Co
Chartered Accountants

(S. S. Verma)
Prop.
Jaipur
07-Aug-19

For Gramin Mahila Vikas Sansthan

(Shankar Singh Rawat)
Secretary

सचिव
ग्रामीण महिला विकास संस्थान
बूबानी, किशनगढ़
जिला–अजमेर (राज.)

ABRIDGED BALANCE SHEET AS AT 31/03/2019

LIABILITIES	AMOUNT ₹	ASSETS	AMOUNT ₹
General Fund	28,51,404	Fixed Assets	12,49,865
Current Liabilities		Current Assets, Loans & Advances	
Project Rahi Salary	47,040	TDS Receivable	720780
Project TI Salary	6,31,998	Grant Receivable TI	893700
Project TI Rent	77,000		
		Cash in Hand	12,508
PF Libality	4,625	Cash at Bank	7,35,214
Total	36,12,067	Total	36,12,067

In terms of our Audit Report even date attached.

For S S Verma & Co
Chartered Accountants

(S. S. Verma)
Prop.
Jaipur
07-Aug-19

S S VERMA & CO Chartered Accountants

For Gramin Mahila Vikas Sansthan

(Shankar Singh Rawat)
Secretary

सचिव
ग्रामीण महिला विकास संस्थान
बूबानी, किशनगढ़
जिला–अजमेर (राज.)

एक नजर आज तक

दैनिक भास्कर

अजमेर, गुरुवार, 9 अगस्त, 2018

जागरूकता बैठकों में मनाया विश्व स्तनपान सप्ताह

मां का दूध बच्चे के लिए अमृत के समान

किशनगढ़

दैनिक भास्कर, अजमेर, मंगलवार, 12 फरवरी, 2019

दैनिक भास्कर

गुटखे से 80% लोगों को होता है कैंसर

जागरुकता के लिए प्रयास जरूरी

कैंसर दिवस पर निकाली रैली, ग्रामीण महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच

दैनिक नवज्योति

अजमेर, 31 मार्च, 2019, रविवार

ग्रामीण महिलाओं को तकनीकी रूप से स

दवा पिलाई गई। साथ ही विटामिन ए की दवा भी पिलाई गई। ... मोबाइल मेडिकल सर्विसेज कार्यक्रम की टीम के द्वारा गांव टॅटिया में छह माह ... वर्ष के 25 बच्चों को विटामिन ... कृमिनाशक दवा की खुराक पिलाई गई। परियोजना समन्वयक किरनजीत कौर ने बताया ... के लिए कृमिनाशक दवा पिलाई जाती है। यह दवा एक वर्ष से लेकर 5 ... के बच्चों को ... पर दी जाती ... मारकर ... करता है। ... गुप्ता ने महिला ... बच्चों को ... प्रेरित किया। यह बच्चों की आंखों की नजर को मजबूत ... निदेशक शंकरसिंह रावत द्वारा महिलाओं को स्वास्थ्य ... विटामिन ए तथा कृमिनाशक दवा जैसी सेवाएं प्राप्त ... तथा जागरूकता बैठकों में भाग लेकर विभिन्न प्रकार ... जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया।

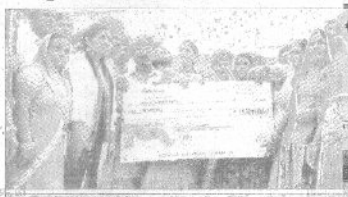

दैनिक नवज्योति

अजमेर, मंगलवार, 13 मार्च, 2018

बालिका शिक्षा पर दे जोर

ग्राम जसवंतपुरा में महिला दिवस मनाया

दैनिक नवज्योति

अजमेर, 9 मार्च, 2018, शनिवार

ग्रामीण महिला विकास स

बूबानी को राज्य स्तरीय

न्यूज सर्विस/नवज्योति, मदनगंज-किशनगढ़

अनिलकुमार माथुर को राज्य स्तरीय अवार्ड से सम्मानित कि... लिंकेज कार्यक्रम के तहत वर्ष 2017-18 में उत... संस्थान को नाबार्ड के मुख्य महाप्रबन्धक सुरेश चन्द, राजस्थ... सेक्रेटरी डीबी गुप्ता व पीके गोयल ने अवार्ड व स्मृति चिह्न दे... संस्था द्वारा चित्तौड़गढ़ जिले में माइग्रेन्ट टारगेट इन्टरवेंशन ... कार्यक्रम के अलावा अजमेर जिले की पंचायत समिति श्रीनग... पीसांगन व केकड़ी के ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, पर... महिला सशक्तिकरण पर निरन्तर सफलतापूर्वक क... है कि संस्थान को पूर्व में भी जिला, राज्य, राष्ट्रीय व ... कई अवार्ड व स्मृति चिह्न से सम्मानित किया जा चुका है।

दैनिक नवज्योति

अजमेर, शनिवार, 9 फरवरी 2019

सार-समाचार

स्कूलों में फर्स्ट एड बॉक्स बांटे

मदनगंज-किशनगढ़। ग्रामीण महिला विकास संस्थान के तत्वावधान में हैंस मोबाइल मेडिकल सर्विसेज कार्यक्रम के तहत फर्स्ट एड बॉक्स वितरण किया गया। द हंस फाउंडेशन नई दिल्ली के वित्तीय सहयोग से ग्रामीण महिला विकास संस्थान बूबानी अजमेर द्वारा श्रीनगर पंचायत समिति के 12 गांवों के राजकीय माध्यमिक एवं प्राथमिक विद्यालयों में फर्स्ट एड बॉक्स में विभिन्न सामग्री का सम्मिश्रण कर वितरण किया गया। परियोजना निदेशक शंकरसिंह रावत ने प्रधानाध्यापकों को फर्स्ट एड बॉक्स की सामग्री के उपयोग के बारे में बताया। परियोजना अधिकारी किरनजीत कौर तथा डॉ. शुभम शर्मा ने फर्स्ट एड की जानकारी दी। कार्यक्रम के तहत 12 गांवों (गुवारड़ी, खोड़ा, कालेडी, मानपुरा सराना, हाथीपट्टा, मोहनपुरा, नारगाल, गुदली, टॅटिया, आखरी तथा लोरी का बाड़िया) के विद्यालयों के अलावा फर्स्ट एड किट का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मेल नर्स अमर भार्गव, नर्स कंचन पारीक आदि मौजूद थे।

दैनिक भास्कर

अजमेर, मंगलवार 13 मार्च, 2018

महिलाएं बचत कर जुटा सकती हैं बड़ी पूंजी

ग्राम जसवंतपुरा में महिला दिवस समारोह में संस्था को डेमो चेक वितरित

पूर्व जिला प्रमुख सरिता ... ने कहा कि महिलाएं घर को ...

दैनिक भास्कर

शिविर में 25 ट्रक चालकों के स्वास्थ्य की जांच

पीसांगन, जसवन्तपुरा में महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम मौजूद अतिथि।

, संस्था सचिव शंकर सिंह रावत, शंभू सिंह आदि ने संबोधित किया। समारोह में संस्था को 15 करोड़ का चेक डेमो प्रदान किया गया। समारोह में नाबार्ड के बी.बी.खरवंदा आईसीआईसीआई सेल्स मैनेजर राम सिंह गौड़, जसवंतपुरा सरपंच डाबला सरपंच इंदिरा महेश्वर..., गोविंदगढ़ सरपंच लीला शर्मा, कडेल सरपंच महेंद्र सिंह मझेवला, रामपुरा-डाबला पूर्व सरपंच चेनाराम, पंचायत समिति सदस्य सुखपाल, पढ़ौदा, दिलीप चौधरी, पीओ ममता, सिंह चौहान, नरेंद्र गर्ग, धर्मेंद्र सिंह

... कहा कि महिलाएं ... दुश्मन बनती जा ... की कन्या होने पर खुशी जाहिर की जानी चाहिए। समारोह में विशिष्ट अतिथि शिक्षा समिति अध्यक्ष व पंचायत समिति सदस्य अशोक सिंह रावत, संस्था

कैंसर के लक्षण बताकर किया सतर्क

दैनिक भास्कर

अजमेर, रविवार, 31 मार्च, 2019

15 साथियों को डिजिटल साक्षरता की ट्रेनिंग

दैनिक भा

अजमेर, शनिवार 9 मार्च, 2019

ग्रामीण महिला विका

राज्य स्तर पर सम्मानि

मदनगंज-किशनगढ़। ग्रामीण महिला विकास संस्थान ... आयोजित समारोह में राज्य स्तर पर अवार्ड व स्मृति ... गया। जयपुर में आयोजित कार्यक्रम में नाबार्ड ...

दैनिक नवज्योति

अजमेर, शुक्रवार, 10 अगस्त 2018

सार-समाचार

शिविर में जांचा स्वास्थ्य, दी दवाइयां

मदनगंज-किशनगढ़। ग्रामीण महिला विकास संस्थान बूबानी द्वारा हंस मोबाइल मेडिकल सर्विसेज कार्यक्रम के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में विश्व स्तनपान सप्ताह के तहत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए ... निकटवर्ती ग्राम लोरी का बाड़िया में परियोजना टीम ने स्वास्थ्य शिविर ... महिलाओं व बच्चों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच कर दवा वितरित की ... जागरुकता बैठक में परियोजना समन्वयक किरनजीत कौर तथा नर्स कंचन पारीक आदि ने शिशु के लिए मां का पहला दूध किसी अमृत से ... कम नहीं होने और प्रथम प्राकृतिक आहार बताया। स्तनपान से मां तथा ... बच्चे को होने वाले फायदों के बारे में भी ग्रामीणों को जागरूक किया। टीम द्वारा 61 मरीजों को निःशुल्क परामर्श देकर दवा वितरण किया ...

दैनिक नवज्योति

अजमेर, मंगलवार, 6 अगस्त 2019

स्तनपान शिशु का प्रथम प्राकृतिक आहार

न्यूज सर्विस/नवज्योति, मदनगंज-किशनगढ़

द हंस फाउंडेशन नई दिल्ली के वित्तीय सहयोग से ग्रामीण महिला विकास संस्थान बूबानी द्वारा आयोजित ... स्तनपान सप्ताह शिविर आयोजित किया गया। महिलाओं व बच्चों को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच कर दवा वितरित किया गया। परियोजना समन्वयक किरनजीत कौर, स्वास्थ्य कार्यकर्ता धीरजकंवर व डॉ. तिलिशा शर्मा ने 7 अगस्त तक मनाए जाने वाले स्तनपान सप्ताह की जानकारी देते हुए मां के दूध को शिशु के लिए प्रथम प्राकृतिक आहार बताया। उन्होंने 6 माह तक अवश्य स्तनपान कराने पर जोर दिया। संस्थान सचिव शंकरसिंह रावत ने बताया कि मच्छरों से बचने के उपाय बताए। टीम द्वारा 58 मरीजों को निःशुल्क जांच कर दवा वितरण किया गया। कार्यक्रम में शंभूसिंह ... पवन, विजयसिंह रावत, अमर भार्गव, कंचन पारीक, हेमलता शर्मा ...

दैनिक नवज्योति

अजमेर, शनिवार, 22 सितंबर 2018

मुहामी। भोपाल में साईट सेवर्स नई दिल्ली के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में रावत को सम्मानित करते अधिकारीगण।

शंकरसिंह रावत सम्मानित

मुहामी। भोपाल में साईट सेवर्स नई दिल्ली द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में ग्रामीण महिला विकास संस्थान-बूबानी अजमेर को अजमेर जिले की पंचायत समिति श्रीनगर, सिलोरा, भिनाय, पीसांगन व केकड़ी ...

राजस्थान पत्रिका

दैनिक भास्कर

रावत को साइट सेवर्स ने किया सम्मानित

भास्कर न्यूज़ मुहामी

स्वास्थ्य जांच, चश्मे वितरि

न्यूज सर्विस/नवज्योति, किशनगढ़।

दैनिक भास्कर

स्कूलों में फर्स्ट एड ... का किया वितरण

दैनिक नवज्योति

अजमेर, मंगलवार, 12 फरवरी 2019

बच्चों को पिलाई कृमिनाशक दवा की खुराक

GMVS

एक नजर ...

ग्रामीण महिला विकास संस्थान - स्वयं सहायता समूह कार्यक्रम

एक नजर ... ग्रामीण महिला विकास संस्थान - स्वयं सहायता समूह डिजिटलीकरण ई-शक्ति कार्यक्रम

किसान उत्पादक संगठन कार्यक्रम

एक नजर ...

ग्रामीण महिला विकास संस्थान - इन्टरनेट साथी कार्यक्रम

अब मेरी बारी कार्यक्रम

GMVS

एक नजर ...

ग्रामीण महिला विकास संस्थान - राही ट्रकर्स आई हेल्थ कार्यक्रम

एक नजर ...

ग्रामीण महिला विकास संस्थान - राही ट्रकर्स आई हेल्थ कार्यक्रम

Sightsavers | RAAHI राही Road Safety and Assurance by Healthy Eyes | GMVS | Ray-Ban GENUINE SINCE 1937

Integration of Eye Health with General Health

Total Person Screened 6075
(June 2018 to July 2019)

Total Spectacles
Distributed 2257

128 People Were Provided Additional Support of General Health Screening and Free Medicine in Raahi Camp

Intergrated SRH Counselling HIV Screening and Condom Distribution
(131 Persons Were Supported)

किसान क्लब कार्यक्रम

GMVS

एक नजर ...

ग्रामीण महिला विकास संस्थान - टारगेट इन्टरवेन्शन माईग्रेन्ट कार्यक्रम, चितौड़गढ़

एक नजर ...

ग्रामीण महिला विकास संस्थान - हंस मोबाईल मेडिकल सर्विसेज कार्यक्रम

GMVS

एक नजर ...

ग्रामीण महिला विकास संस्थान - हंस मोबाईल मेडिकल सर्विसेज कार्यक्रम

प्रगति की ओर बढ़ते कदम . . .

सेवाओं में प्रयासरत . . .

ग्रामीण महिला विकास संस्थान (GMVS)

मुख्य कार्यालय

पटाखा फैक्ट्री के पास
राजारेडी (सुमेर नगर)
मदनगंज–किशनगढ़–305801
जिला–अजमेर (राज.)
फोन : +91–1463–245642
मोबाईल : +91–9672979032
ई–मेल : bubanigmvs@gmail.com
Visit us : www.gmvs.ngo

पंजीयन कार्यालय

मु.पो. बूबानी
वाया–गगवाना 305023
जिला–अजमेर (राज.) भारत
मोबाईल : +91–9079207103
ई–मेल :
gmvsajmer@gmail.com

क्षेत्रीय कार्यालय

125, भगतसिंह पार्क,
सामुदायिक भवन के पास,
चित्तौड़गढ़ (राज.) भारत
मो.: +91–9929259050
9829133882
ई–मेल :
gmvschittorgarh@gmail.com

क्षेत्रीय कार्यालय

किसान चौराहा
शेखपुरा रोड़
ग्राम – थाँवला
जिला – नागौर – 305026
मोबाईल : +91–9672979038